Introduction

Content: बी॰ए॰ हिंदी (प्रोग्राम) पाठ्यक्रम विद्यार्थी के आलोचनात्मक विवेक और रचनात्मक क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है| साहित्य की समझ के साथ भाषा का ज्ञान विद्यार्थी को सम्वेदनात्मक क्षमता और ज्ञानात्मक सम्वेदन प्रदान करता है| समाज विज्ञान और मानविकी क्षेत्र की शाखाओं के साथ आज विश्व को सजग, आलोचनात्मक, विवेकशील और सम्वेदनशील व्यक्ति की आवश्यकता है, जो समाज की नकारात्मक शक्तियों के विरुद्ध समानता और बंधुत्व के भाव की स्थापना कर सके| भाषा, आलोचना, काव्यशास्त्र का अध्ययन जहाँ सैद्धांतिक समझ को विस्तृत करता है वहीं कविता, नाटक, कहानी में उन सिद्धांतों को व्यावहारिक रूप से समझने की युक्तियाँ छिपी रहती हैं| इस प्रकार हिन्दी (प्रोग्राम) का पाठ्यक्रम विद्यार्थी को सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों रूपों में सक्षम बनाता है|

Learning Outcome based approach to Curriculum Planning

>> Aims of Bachelor's degree programme in (CBCS) B.A.(PROG)

Content: भारतीय संविधान में देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी को संघ की राजभाषा घोषित किया गया है । हिन्दी पढने वाले छात्र को भाषा की क्षमता से परिचित होना जितना आवश्यक है उतना ही उसे समाज की चुनौतियों के सन्दर्भ में जोड़ने की योग्यता विकसित करना भी जरूरी है| आज हम भूमंडलीकृत समाज का अंग है अत: पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को देश-विदेश के साहित्य में हो रहे बदलाव से परिचित कराना भी है और व्यावसायिक योग्यता उत्पन्न करना भी| यह पाठ्यक्रम बाज़ारवाद और भूमंडलीकरण की वैश्विक गति के बीच से ही हिंदी की राष्ट्रीय प्रगति को भी सुनिश्चित करेगा क्योंकि सशक्त भाषा के बिना किसी राष्ट्र की उन्नति संभव नहीं है । यह पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के अनुकूल है साथ ही इस पाठ्यक्रम का आधुनिक रूप रोजगारपरक भी है । यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को व्यावहारिक पहलू से अवगत करा सकेगा । हिंदी साहित्य की नई समझ और भाषा की व्यावहारिकता की जानकारी इसका प्रमुख ध्येय है । इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भाषा और समाज के जटिल सम्बन्धों की पहचान कराना भी है जिससे विद्यार्थी देश, समाज, राष्ट्र और विश्व के साथ बदलते समय में व्यापक सरोकारों से अपना सम्बन्ध जोड़ सके साथ ही उसके भाषा कौशल, लेखन और सम्प्रेषण क्षमता का विकास हो सके|

Graduate Attributes in Subject

>> Disciplinary knowledge

Content: भाषा, साहित्य और संस्कृति के अध्ययन-विश्लेषण द्वारा इतिहास, समाजविज्ञान, मनोविज्ञान, दर्शन, भाषाविज्ञान आदि विषयों का तुलनात्मक ज्ञान विकसित होगा |

Graduate Attributes in Subject

>> Communication Skills

Content: साहित्य और भाषा के बहुआयामी अध्ययन से संवाद एवं लेखन की क्षमता विकसित होगी |

Graduate Attributes in Subject

>> Critical thinking

Content: अंतर-अनुशासनात्मक एवं तुलनात्मक अध्ययन करने से आलोचनात्मक विवेक विकसित होगा |

Graduate Attributes in Subject

>> Reflective thinking

Content: साहित्य और भाषा का अध्ययन करने से व्यक्तित्व विकास होने के साथ-साथ समाज और आत्म के अंतर्संबंध को समझने की विशेष योग्यता विकसित होती है|

Graduate Attributes in Subject

>> Moral and ethical awareness/reasoning

Content: साहित्य प्रत्यक्ष रूप से नैतिक मूल्यों के विकास का अवसर प्रदान करता है |

Graduate Attributes in Subject

>> Multicultural competence

Content: साहित्य और भाषा का अध्ययन बहु-सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करता है |

Qualification Description

Content: 10+2 या समकक्ष

Programme Learning Outcome in course

Content: इस पाठ्यक्रम को पढ़ने- पढ़ाने की दिशा में निम्नलिखित परिणाम सामने आएंगे :-

1) इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में हिंदी भाषा के आरंभिक स्तर से अब तक के बदलते रूपों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकेगी ।

2) भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ-साथ व्यावहारिक पक्ष को भी जाना जा सकेगा ।

3) उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी भाषा किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, इससे संबंधित परिणाम को प्राप्त किया जा सकेगा ।

4) छात्र अपनी भाषा को सीखने की प्रक्रिया में भाषागत मूल्यों को व्यावहारिक रूप से भी जान सकेंगे ।

5) व्यावसायिक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए भाषा, अनुवाद, कम्प्यूटर जैसे विषयों को हिन्दी से जोड़कर पढ़ाना जिससे बाज़ार के लिए आवश्यक योग्यता का भी विकास किया जा सके|

6) हिंदी के अतिरिक्त भारतीय साहित्य का ज्ञान भी अपेक्षित रहेगा जो छात्रों के व्यक्तित्व विकास में सहायक होगा तथा अभिव्यक्ति क्षमता का विकास भी किया जा सकेगा ।

7) साहित्य के सौन्दर्य, कला बोध के साथ वैचारिक मूल्यों को बढ़ावा देना |

8) साहित्य की विधाओं के माध्यम से विद्यार्थी की रचनात्मकता को दिशा देना |

9) साहित्य के आदिकालीन सन्दर्भों से लेकर समकालीन रूप से परिचित कराना जिससे विद्यार्थी साहित्यकार और युगबोध के सम्बन्ध को परख और पहचान सकें|

10) साहित्य विवेक का निर्माण |

Teaching-Learning Process

Content: सीखने की प्रक्रिया में इस पाठ्यक्रम में हिंदी भाषा दक्षता को मजबूती देना है । छात्र हिंदी भाषा में नयापन और वैश्विक माध्यम की निर्माण प्रक्रिया में सहायक बन सकें । अपनी भाषा में व्यवहार कुशलता एवं निपुणता प्राप्त कर सकें । साहित्य की समझ विकसित हो सके तथा आलोचनात्मक ढंग से साहित्यिक विवेक निर्मित किया जा सके| इसके लिए निम्नांकित बिन्दुओं को देखा जा सकता है -

कक्षा व्याख्यान

सामूहिक चर्चा

सामूहिक परिचर्चा और चयनित विषयों पर आधारित सेमिनार आयोजन

साहित्यिकता की समझ देना

प्रदर्शन कलाओं को वास्तविक रूप में देखना

कक्षाओं में पठन- पाठन पद्धति

लिखित परीक्षा

आंतरिक मूल्यांकन

शोध सर्वेक्षण

वाद –विवाद

आशु प्रस्तुति

कम्प्यूटर आदि का व्यावहारिक ज्ञान

दृश्य-श्रव्य माध्यमों की जानकारी व्यावहारिक रूप से देना

काव्य वाचन, पठन और आलोचनात्मक मूल्यांकन

कथा के पाठ और वाचन में अंतर समझाना

आलोचनात्मक मूल्यांकन पर बल

Assessment Methods

Content: (1) हिंदी भाषा के व्यावहारिक मूल्यों पर आधारित परियोजना कार्य व मूल्यांकन ।

(2) भाषिक नमूने तैयार करना और विश्लेषण

(3) विद्यार्थियों का मौखिक और लिखित मूल्यांकन

(4) पी.पी.टी. (power point presentation) बनाने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना । इस माध्यम से हिंदी की विविध विधाओं को दृश्य माध्यम से रुचिकर रूप से जाना जा सकेगा ।

(5) विधा विशेष के भाव - सौंदर्य के साथ-साथ रचना में छंद, अलंकार, रस, गुण, शब्द आदि के सौंदर्य का मूल्यांकन करना |

(6) भाव विश्लेषण के लिए विधा आधारित प्रश्नोत्तरी कर मूल्यांकन करना ।

(7) पारम्परिक और आधुनिक तकनीकी माध्यमों की सहायता से अध्ययन-अध्यापन

(8) समूह-परिचर्चा

अन्य गद्य विधाएँ (BAPHCC04)Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिन्दी कथेतर गद्य की समझ विकसित करना

निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, व्यंग्य आदि विधाओं के विश्लेषण की पद्धतियों से परिचय कराना

Course Learning Outcomes

अन्य गद्य विधाओं की स्पष्ट समझ विकसित होगी

आलोचनात्मक समझ विकसित होगी

Unit 1

जातीयता के गुण – बालकृष्ण भट्ट (भट्ट निबंधमाला, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)

साहित्य का उदेश्य – प्रेमचंद

भाषा, संस्कृति और राष्ट्रीयता - जयप्रकाश कर्दम

Unit 2

भक्तिन : संस्मरण - महादेवी वर्मा

अदम्य जीवन – रांगेय राघव

Unit 3

वैष्णव जन (ध्वनि रूपक)- विष्णु प्रभाकर

शायद : एकांकी - मोहन राकेश

Unit 4

उखड़े खम्भे – हरिशंकर परसाई (व्यंग्य)

लक्खा बुआ ('नंगा तलाई का गांव 'से) - विश्वनाथ त्रिपाठी

References

हिंदी का गद्य साहित्य - रामचन्द्र तिवारी

हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास –रामस्वरूप चतुर्वेदी

हिंदी गद्य : विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी

Additional Resources:

इक्कीसवीं सदी में दलित आंदोलन (साहित्य एवं समाज चिंतन) - जयप्रकाश कर्दम

निबंधों की दुनिया – शिवपूजन सहाय ;निर्मला जैन /अनिल राय

छायावादोत्तर गद्य साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

कथेतर गद्य

हिंदी कथा साहित्य (BAPHCC03)Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिन्दी कथा साहित्य के उद्भव और विकास का परिचय

गद्य साहित्य विश्लेषण

Course Learning Outcomes

कथा- साहित्य के विकास का परिचय

प्रमुख उपन्यास और कहानियों का अध्ययन

Unit 1

इकाई -1 : उपन्यास :स्वरुप और संरचना

Unit 2

इकाई -2 :गबन – प्रेमचंद

Unit 3

इकाई- 3 : कहानी : स्वरूप और संरचना

Unit 4

कहानी : परदा – यशपाल

रोज़ –अज्ञेय

दिल्ली में एक मौत – कमलेश्वर

दाज्यू – शेखर जोशी

हरी बिंदी – मुदुला गर्ग

References

प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा

हिंदी उपन्यास :एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र

कहानी : नई कहानी - नामवर सिंह

Additional Resources:

हिंदी कहानी की रचना प्रक्रिया – परमानंद श्रीवास्तव

नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति – देवीशंकर अवस्थी

साहित्य से संवाद – गोपेश्वर सिंह

कुछ कहानियाँ :कुछ विचारक – विश्वनाथ त्रिपाठी

एक दुनिया एक समानान्तर – राजेन्द्र यादव

नई कहानी की भूमिका – कमलेश्वर

हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान - रामदरश मिश्र

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, समूह चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

कक्षा व्याख्यान , परिचर्चा

Keywords

कथा साहित्य, कहानी, उपन्यास, कथा-विन्यास, शिल्प, कथा-भाषा

हिंदी कविता (मध्यकाल और आधुनिक काल) (BAPHCC02)Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

विद्यार्थियों को हिन्दी के मध्यकालीन और आधुनिक कवियों से परिचित कराना |

मुख्य कविताओं के माध्यम से तत्कालीन साहित्य की जानकारी देना |

Course Learning Outcomes

कविताओं का अध्ययन-विश्लेषण करने की पद्धति सीख सकेंगे |

साहित्य के सामाजिक-राजनीतिक-सांस्कृतिक पहलुओं की जानकारी प्राप्त होगी |

Unit 1

कबीर – कबीर- ग्रन्थावली ; माताप्रसाद गुप्त ;लोकभारती प्रकाशन ,1969 ई.

कबीर – साँच कौ अंग (1) भेष कौ अंग (5,9,12,) संम्रथाई कौ अंग (12)

सूरदास – सूरसागर संपा.डॉ धीरेन्द्र बर्मा ;साहित्य भवन 1990 ई.

गोकुल लीला ---पद संख्या 20,26,27,60,

गोस्वामी तुलसीदास – तुलसी ग्रन्थावली (दूसरा खण्ड);संपा.आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा,काशी)

दोहावली – छंद संख्या -277,355,401,412,490,

Unit 2

बिहारी - रीतिकाव्य संग्रह,जगदीश गुप्त, ग्रंथम, कानपुर,1983 ई.

छंद संख्या -9,13,18,21,58,66,67

घनानंद – रीतिकाव्य संग्रह ;जगदीश गुप्त ;साहित्य भवन प्रा.लि; इलाहबाद ; प्रथम संस्करण ;1961 ई.

छंद संख्या -3,14,16,18,23,24

Unit 3

मैथिलीशरण गुप्त – रईसों के सपूत (भारतभारती, वर्तमान खण्ड ;साहित्य सदन झाँसी)

पद संख्या ---123 से 128

जयशंकर प्रसाद – बीती विभावरी जाग री !(लहर, लोकभारती प्रकाशन 2000)

हिमालय के आँगन में .....(स्कन्दगुप्त :भारती भण्डार,इलाहबाद,1973)

Unit 4

हरिवंश राय 'बच्चन'– जो बीत गयी ..... (हरिवंश राय बच्चन :प्रतिनिधि कविता राजकमल पेपरबैक्स,संपा. - मोहन गुप्त)2009

नागार्जुन –उनको प्रणाम !(नागार्जुन : प्रतिनिधि कविताएँ ,संपा.नामवर सिंह ,राजकमल,पेपरबैक्स,2009)

भवानीप्रसाद मिश्र –गीत – फरोश (दूसरा सप्तक,भारतीय ज्ञानपीठ पकाशन ;द्वतीय संस्करण 1970 ई.)

References

कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी

तुलसी काव्य मीमांसा – उदयभानु सिंह

बिहारी की वाग्विभूति–विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

सूरदास –ब्रजेश्वर शर्मा

सूरदास - रामचन्द्र शुक्ल

गोस्वामी तुलसीदास - रामचन्द्र शुक्ल

घनानन्द और स्वच्छंद काव्यधारा - मनोहर लाल गौड़

मैथिलीशरण गुप्त :व्यक्ति और काव्य – कमलकांत पाठक

प्रसाद, पंत और मैथिलीशरण – रामधारी सिंह दिनकर

प्रसाद के काव्य – प्रेम शंकर

Additional Resources:

जयशंकर प्रसाद – नंददुलारे वाजपेयी

हरिवंशराय बच्चन – संपा.पुष्पा भारती

आधुनिक हिंदी कविता - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, समूह परिचर्चा, ऑनलाइन लिंक

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

मध्यकाल, आधुनिकता, आधुनिकतावाद, काव्य, विभिन्न बोलियाँ आदि

हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास (BAPHCC01)Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिन्दी भाषा और साहित्य के इतिहास का परिचय प्राप्त होगा

साहित्य इतिहास के विभिन्न कालों की प्रमुख प्रवृत्तियों की आलोचनात्मक समझ विकसित होगी

Course Learning Outcomes

इतिहास के प्रति आलोचनात्मक-विश्लेषणात्मक ज्ञान के द्वारा हिन्दी भाषा और साहित्य इतिहास को संतुलित रूप से प्रस्तुत किया जा सकेगा

Unit 1

इकाई 1

क हिन्दी भाषा का विकास : सामान्य परिचय

1 हिन्दी भाषा का उद्भव

2. हिन्दी भाषा की बोलियाँ

3 हिन्दी भाषा का विकास : आदिकालीन हिन्दी , मध्यकालीन हिन्दी , आधुनिक हिन्दी

ख हिन्दी साहित्य का इतिहास : आदिकाल

1 आदिकाल : कालविभाजन एवं नामकरण

2. आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रासो साहित्य, धार्मिक साहित्य, लौकिक साहित्य)

Unit 2

इकाई 2

हिन्दी साहित्य का इतिहास : **भक्तिकाल**

1 भक्ति आंदोलन : उद्भव और विकास

2 भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (संत काव्य, सूफी काव्य, राम काव्य, कृष्ण काव्य)

Unit 3

इकाई 3.

हिन्दी साहित्य का इतिहास : रीतिकाल

1॰ रीतिकाल : नामकरण विषयक विभिन्न मतों की समीक्षा

2॰ रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रीतिबद्ध काव्य, रीतिसिद्ध काव्य, रीतिमुक्त काव्य)

Unit 4

इकाई 4.

हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल

1. मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध (संक्रमण की परिस्थितियाँ)

2.आधुनिक हिन्दी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता)

3 गद्य विधाओं का उद्भव एवं विकास : उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध

References

हिंदी भाषा - धीरेन्द्र वर्मा

हिंदी भाषा की संरचना - भोलानाथ तिवारी

हिंदी साहित्य का इतिहास - आ. रामचन्द्र शुक्ल

हिंदी साहित्य का इतिहास - सं. डॉ. नगेन्द्र

हिन्दी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स - डॉ॰ रसाल सिंह

Additional Resources:

हिंदी साहित्य का अतीत - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

हिंदी का गद्य साहित्य - रामचंद्र तिवारी

हिंदी गद्य : विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी

Teaching Learning Process

व्याख्यान और सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

इतिहास, भाषा और आलोचना से जुड़ी शब्दावली

कोश विज्ञान : शब्दकोश और विश्वकोश (BAPHDSE05)Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

कोशविज्ञान की समझ विकसित करना

उसके व्यावहारिक प्रयोग, निर्माण और तकनीकी प्रसार में रुचि विकसित करना

Course Learning Outcomes

कोश की समझ विकसित होगी

विभिन्न कोशों की जानकारी होगी

निर्माण, प्रसार और तकनीक की समझ विकसित होगी

Unit 1

कोश परिचय

*अर्थ और परिभाषा

*उपयोगिता और महत्व

*हिंदी कोश के उपयोग के नियम

(वर्णानुक्रम, स्वर की मात्राएँ,अनुस्वार एवं अनुनासिक , संयुक्त व्यंजन वर्ण)

Unit 2

कोश निर्माण

*शब्द संकलन एवं चयन

*प्रविष्टि (वर्तनी ,क्रम, व्याकरणिक कोटि और स्रोत)

*शव्द का अर्थ एवं विस्तार

*शब्द प्रयुक्तियाँ

Unit 3

कोश के प्रकार

*कोश :वर्गीकरण के आधार

*विषय के आधार पर(भूगोल कोश ,इतिहास कोश, मनोविज्ञान कोश, धर्म कोश आदि)

*भाषा के आधार पर(एकभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी)

*समांतर कोश

*पारिभाषिक शब्दावली

Unit 4

प्रमुख कोशों का परिचय

*हिंदी –हिंदी शब्दकोश –बृहत् हिंदी शब्दकोश;ज्ञानमंडल

*अंग्रेजी – हिंदी शब्दकोश –फादर कामिल बुल्के

*हिंदी -- अंग्रेजी शब्दकोश – भोलानाथ तिवारी और महेंद्र कुमार

*विश्वकोश – हिंदी शब्दसागर – नागरी प्रचारिणी सभा

*समांतर कोश – अरविंद कुमार .कुसुम कुमार;नेशनल बुक ट्रस्ट , नई दिल्ली

*ई – कोश

References

कोश विज्ञान -- भोलानाथ तिवारी

हिंदी कोश रचना,प्रकार और रूप –रामचंद्र वर्मा

हिंदी कोश साहित्य –अचलानंद जखमोला

हिंदी साहित्य कोश –धीरेन्द्र वर्मा

Additional Resources:

हिंदी शब्द सागर – नागरी प्रचारिणी सभा , प्रयाग

कोश विज्ञान :सिद्धांत एवं प्रयोग –राम आधार सिंह

कोश निर्माण : प्रविधि एवं प्रयोग –त्रिभुवननाथ शुक्ल

Lexicography : an introduction –howareJackson;routledge publication , London

भारत में कोश विज्ञान पर विशेष – गवेषणा ;अंक 93;जनवरी –मार्च ,2009

वेबलिंक

*www.archive.org(hindishabdsagar)

*www.britannika.org

*www.e.vikipedia.com

*www.encyclopedia.center.com

*www.culturepedia.com

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

विशेष अध्ययन : एक प्रमुख साहित्यकार- कबीर (BAPHDSE06)Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

- हिन्दी साहित्य के भक्तिकाल, निर्गुण काव्यधारा, संत काव्य-धारा से अवगत करवाना.
- कबीर-काव्य की प्रकृति और संरचना की समझ विकसित करना.
- पाठ्यक्रम में निर्धारित दोहों और पदों के माध्यम से जीवन और समाज के विभिन्न मुद्दों की समझ और सुचिंतित दिशा खोजने का प्रयास करना.

Course Learning Outcomes

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी-

- भक्तिकाल की राजनीतिक-सामाजिक-सांस्कृतिक-धार्मिक स्थितियों को समझ पायेंगे.
- कबीर-काव्य की सामाजिक चेतना के माध्यम से विद्यार्थी में सामाजिक समरसता का विकास होगा.
- मानवीय और नैतिक मूल्यों का विकास होगा.

Unit 1

- कबीर का साहित्यिक परिचय
- संतकाव्य की विशेषताएँ

Unit 2

- कबीर की साखियाँ (कुल 12)
- गुरुदेव कौ अंग- 3,7,11
- सुमिरण कौ अंग – 4,9,32
- विरह कौ अंग – 18,22
- चेतावणी कौ अंग – 13,14
- साध साषीभूत कौ अंग – 2
- उपदेस कौ अंग – 9

(कबीर – श्यामसुंदर दास)

Unit 3

- कबीर के पद (कुल 6)
- राग गौड़ी (पद सं. 3,6,89,111,114,117)

(कबीर-श्यामसुंदर दास)

Unit 4

- कबीर की सामाजिक चेतना
- कबीर की भक्ति भावना
- कबीर का रहस्यवाद
- कबीर की भाषा
- कबीर की दार्शनिक चेतना

References

- कबीर-श्यामसुंदर दास
- कबीर- हजारीप्रसाद द्विवेदी
- निर्गुण काव्य में नारी- अनिल राय

Additional Resources:

- भक्ति आन्दोलन के सामाजिक आधार-गोपेश्वर सिंह
- कबीर - विजयेन्द्र स्नातक
- भक्ति का सन्दर्भ-देवीशंकर अवस्थी
- कबीर की चिंता - बलदेव वंशी
- भक्ति काव्य का समाज दर्शन- प्रेमशंकर

Teaching Learning Process

- निर्धारित दोहों और पदों का विद्यार्थियों द्वारा वाचन.
- निर्धारित अंशों पर विचार-विमर्श करते हुए उनके निहितार्थ खोजना.
- दोहों और पदों के कथ्य और संवेदना के स्तर पर विभिन्न पक्षों को वर्तमान की स्थितियों के परिप्रेक्ष्य में देखना.
- कबीर की भाषा की प्रकृति और उसकी प्रभावकारिता को खोजना.
- दोहों और पदों की रिकार्डेड सी डी दिखाना/सुनाना.

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

- कबीर-काव्य में उपस्थित सामाजिक, दार्शनिक,मानवीय चेतना और भक्ति-भावना के विश्लेषण के आधार पर.
- महत्वपूर्ण अंशों की व्याख्या के आधार पर.
- कबीर-काव्य की भाषायी कौशल के विश्लेषण के आधार पर

Keywords

- प्रतीक
- उलटबासी
- रहस्यवाद
- माया
- राम
- कुंडलिनी
- इंगला-पिंगला-सुष्मुना
- सिद्ध-नाथ
- भक्ति
- ब्रह्म
- परमात्मा-जीवात्मा

विशेष अध्ययन : एक प्रमुख साहित्यकार- तुलसीदास (BAPHDSE0601)Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

भक्तिकाल के महत्वपूर्ण कवि तुलसीदास के साहित्य का अध्ययन-विश्लेषण

Course Learning Outcomes

तुलसीदास के जीवन और साहित्य का आलोचनात्मक अध्ययन

Unit 1

- तुलसीदास का साहित्यिक परिचय
- रामभक्ति शाखा की विशेषता

Unit 2

रामचरितमानस

- (बालकाण्ड : दोहा 201 से 205 तक)
- (सुन्दरकाण्ड :दोहा 3 से 10 तक)
- (गीता प्रेस,गोरखपुर)

Unit 3

विनयपत्रिका

- (पद सं.100 से 110 तक)
- (गीता प्रेस ,गोरखपुर)

Unit 4

तुलसीदास की भक्ति भावना

- तुलसीदास की भाषा
- तुलसीदास की समन्वय चेतना
- "मानस" में राम – सुग्रीव मैत्री प्रसंग

References

- रामचरितमानस – तुलसीदास
- विनयपत्रिका --तुलसीदास
- लोकवादी तुलसीदास –विश्वनाथ त्रिपाठी
- गोस्वामी तुलसीदास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
- तुलसीदास काव्य में मीमांसा – उदयभानु सिंह

Additional Resources:

- भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पांडेय

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, कविता वाचन

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

ब्रज और अवधी शब्दावली

विशेष अध्ययन : एक प्रमुख साहित्यकार- निराला (BAPHDSE0603)Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

महाकवि निराला का जीवन परिचय और साहित्यिक अवदान

उनके परिवेश और कवि के संघर्ष का अध्ययन करना

Course Learning Outcomes

महाकवि निराला के साहित्य का अध्ययन विश्लेषण

कवि के परिवेश की समझ

Unit 1

निराला

छायावाद का सामान्य परिचय

निराला का साहित्यिक परिचय

Unit 2

सरोज स्मृति

वह तोडती पत्थर

भिक्षुक

कुकुरमुत्ता

Unit 3

लिली

सुकुल की बीवी

Unit 4

बिल्लेसुर बकरिहा

References

छायावाद – नामवर सिंह

निराला :आत्महंता आस्था – दूधनाथ सिंह

लिली – सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला

सुकुल की बीवी –सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला

आधुनिक कविता यात्रा –रामस्वरूप चतुर्वेदी

Additional Resources:

आधुनिक साहित्य की प्रवृतियाँ – नामवर सिंह

राग विराग – रामविलास शर्मा

निराला की साहित्य साधना - रामविलास शर्मा

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, कविता पाठ

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

साहित्यिक आलोचनात्मक शब्दावली

विशेष अध्ययन : एक प्रमुख साहित्यकार- प्रेमचंद (BAPHDSE0602)Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद का परिचय, साहित्य और विश्लेषण

Course Learning Outcomes

प्रेमचंद के साहित्य के विविध आयामों का अध्ययन - विश्लेषण

Unit 1

प्रेमचंद का साहित्यिक परिचय

प्रेमचंद की उपन्यास कला

प्रेमचंद की कहानी कला

Unit 2

सुभागी

बड़े घर की बेटी

सवा सेर गेहूँ

पंच परमेश्वर

सदगति

Unit 3

कर्मभूमि

Unit 4

'कर्बला' नाटक की मूल सवेदना

'कलम का सिपाही' अमृतराय (पृ.सं.299 से 305 तक)

References

प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा

प्रेमचंद एक विवेचन – इन्द्रनाथ मदान

मानसरोवर (भाग 1 और 2) – प्रेमचंद

कहानी नई कहानी –नामवर सिंह

कर्मभूमि - प्रेमचंद

प्रेमचंद अध्ययन की दिशाएँ - कमल किशोर गोयनका

कलम का सिपाही – अमृतराय

Additional Resources:

प्रेमचंद घर में – शिवरानी देवी

हिंदी गद्य: विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी

हिंदी उपन्यास : अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र

सृजनशीलता का संकट – नित्यानंद तिवारी

ज़माने से दो - दो हाथ – नामवर सिंह

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, समूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

कथा, साहित्य, उपन्यास, कहानी, साहित्यिकता

साहित्य चिंतन (BAPHDSE04)Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

साहित्य सिद्धान्तों का अध्ययन

साहित्यिक आलोचना के निर्माण में विभिन्न अवयवों का अध्ययन

साहित्य की व्याख्या के लिए जरूरी अंगों-उपांगों, साहित्यिक भेदों-उपभेदों का अध्ययन

Course Learning Outcomes

साहित्य और समाज की पाररस्परिक अर्थवत्ता और महत्ता के साथ-साथ आलोचनात्मक विवेक का निर्माण

साहित्य की व्याख्या के लिए शास्त्रीय सिद्धांतों का ज्ञान प्राप्त करना

विद्यार्थियों के सैद्धांतिक सोच औए समझ के स्तर को समृद्ध करते हुए साहित्य के साथ अन्य कलाओं की समझ विकसित करना

Unit 1

साहित्य का स्वरूप :

- विविध दृष्टिकोण
- साहित्य और समाज
- साहित्य की प्रयोजनीयता

Unit 2

रस :

- परिभाषा
- स्वरूप
- अंग
- भेद

Unit 3

रचनात्मक भूमिका और महत्व की दृष्टि से अध्ययन :

- भाषा सौष्ठव
- शब्दशक्ति
- अलंकार
- प्रतीक
- बिम्ब
- मिथक
- फैंटेसी

Unit 4

रचनात्मक भूमिका और महत्व की दृष्टि से अध्ययन :

- छंद
- लय
- तुक

References

साहित्य सहचर - हजारीप्रसाद द्विवेदी

साहित्य का स्वरूप - नित्यानन्द तिवारी

साहित्य सिद्धान्त - रामअवध द्विवेदी

काव्य के तत्व - देवेन्द्रनाथ शर्मा

काव्यभाषा पर तीन निबंध - रामस्वरूप चतुर्वेदी और सत्यप्रकाश मिश्र

काव्यास्वाद और साधारणीकरण - राजेंद्र गौतम

Additional Resources:

हिंदी साहित्य कोश - भाग 1, 2 - संपादक - धीरेन्द्र वर्मा

साहित्य सिद्धांत - रेने वेलेक और ऑस्टीन

Teaching Learning Process

कक्षाओं में पारंपरिक और आधुनिक तकनीकी माध्यमों की सहायता से अध्ययन-अध्यापन

समूह-परिचर्चाएँ

कक्षा में कमजोर विद्यार्थियों की पहचान और कक्षा के बाद उनकी अतिरिक्त सहायता

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

सतत मूल्यांकन

असाइनमेंट के द्वारा आंतरिक मूल्यांकन

समूहिक प्रोजेक्ट के द्वारा मूल्यांकन

सेमेस्टर के अंत में परीक्षा के द्वारा मूल्यांकन

Keywords

साहित्य चिंतन, साहित्य सिद्धान्त, आलोचना, रस, छंद, अलंकार, शास्त्रीय आलोचना, साहित्य और समाज, कलाएं आदि ।

हिंदी का मौखिक साहित्य और उसकी परंपरा (BAPHDSE02)Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

भारत के मौखिक साहित्य और लोक-परंपरा का अवलोकन

लोक-जीवन और संस्कृति की जानकारी

पर्यटन और संगीत-नृत्य आदि में आकर्षण विकसित होगा

Course Learning Outcomes

मौखिक साहित्य का परिचय

प्रमुख रूपों का परिचय

संस्कृति और लोक-जीवन व संस्कृति के विश्लेषण की क्षमता

Unit 1

मौखिक साहित्य की अवधारणा :सामान्य परिचय, मौखिक साहित्य और लिखित साहित्य का संबंध

साहित्य के विविध रूप – लोकगीत ,लोककथा ,लोकगाथाएँ ,लोकनाट्य ,लोकोक्तियाँ

पहेलियाँ - बुझौवल और मुहावरे हिंदी प्रदेश की जनपदीय बोलियाँ और उनका साहित्य (सामान्य परिचय) मौखिक और समाज

Unit 2

लोकगीत :वाचिक और मुद्रित

संस्कार गीत :सोहर , विवाह, मंगलगीत इत्यादि

सोहर भोजपुरी संस्कार गीत - श्री हंस कुमार तिवारी –बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् प्.8 ,गीत संख्या 4

सोहर अवधी –हिंदी प्रदेश कि लोकगीत – कृष्णदेव उपाध्याय प्.110,111 साहित्य भवन इलाहावाद

विवाह – भोजपुरी – भारतीय लोकसाहित्य :परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा ,प्.116

ऋतूसंबंधी गीत :बारामासा ,होली.चैत ,कजरी इत्यादि

-निम्नलिखित पाठ्यपुस्तकों के पृष्ठ

हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य :शंकर लाल यादव पृ 231

हिंदी परदेश के लोकगीत : कृष्णदेव उपाध्याय, पृ 205

वाचिक कविता :भोजपुरी :पं विद्यानिवास मिश्र ,पृ 49

श्रमसंबंधी गीत : कटनी , जंतसर ,दँवनी, रोपनी , इत्यादि

कटनी के गीत , अवधी 2 गीत –हिंदी प्रदेश के लोकगीत: पं कृष्णदेव उपाध्याय, पृ 134 135

जंतासरी :भोजपुरी – भारतीय लोकसाहित्य परंपरा और परिदृश्य –विद्या सिन्हा ,पृ 140,141

विविध गीत :घुघुती –कुमाउनी:कविता कौमुदी :ग्रामगीत : पं. रामनरेश त्रिपाठी ,

गढ़वाली :कविता कौमुदी :ग्रामगीत ,पं . रामनरेश त्रिपाठी , पृ 801 -802

Unit 3

लोककथाएँ एवं लोकगाथाएं :

विधा के सामान्य परिचय और प्रसिद्ध लोककथाएं एवं लोकगाथाएं आल्हा ,लोरिक , सारंग – सदावृक्ष , बिहुला

राजस्थानी लोककथा नं - 2 ,हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास ,पं . राहुल संकृत्यायन, पृ 461 -462

अवधी लोककथा नं . 2, हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास ,पं . राहुल संकृत्यायन, पृ 187 -188

Unit 4

लोकनाट्य :

विधा का परिचय ,विविध भाषा क्षेत्रों के विविध नाट्यरूप और शैलियाँ, रामलीला ;रासलीला मालवा का नाच ;राजस्थान का ख्याल ,उत्तर प्रदेश की नौटंकी , भांड ,रासलीला ;बिहार –बिदेसिया ;हरियाणा सांग पाठ :संक्षिप्त पद्मावत सांग (लखमीचंद ग्रंथावली ,संपा पूरनचन्द्र शर्मा ,हरियाणा साहित्य अकादमी ,पंडवानी :तीजन बाई

References

हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्णदेव उपाध्याय

हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य – शंकर लाल यादव

मीट माई पीपल – देवेन्द्र सत्यार्थी

मालवी लोक साहित्य का अध्ययन – श्याम परमार

रसमंजरी – सुचिता रामदीन, महात्मा गाँधी संस्थान,मॉरिशस

हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास, पं . राहुल संकृत्यायन ; सोलहवां भाग

वाचिक कविता :भोजपुरी -- विद्यानिवास मिश्र

भारतीय लोकसाहित्य : परंपरा और परिदृश्य – डॉ॰ विद्या सिन्हा

कविता कौमुदी :ग्रामगीत – पं .रामनरेश त्रिपाठी

Additional Resources:

हिंदी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन – हरियाणा साहित्य अकादमी का प्रकाशन

मध्यप्रदेश लोक कला अकादमी की पत्रिका-- चौमासा

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, प्रस्तुति को देखना

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

विभिन्न रूप, बोलियाँ, सांस्कृतिक शब्द

हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण (BAPHDSE01)Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

अनुवाद की सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी देना

विभिन्न क्षेत्रों में अनुवाद की प्रकृति की जानकारी

Course Learning Outcomes

अनुवाद की सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी

विभिन्न क्षेत्रों के अनुवाद का विश्लेषणात्मक अध्ययन

प्रयोगात्मक कार्य

Unit 1

भाषा और व्याकरण

- भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएँ
- व्याकरण की परिभाषा, महत्व, भाषा और व्याकरण का अंत:संबंध
- ध्वनि, वर्ण एवं मात्राएँ

Unit 2

शव्द परिचय

- शव्दों के भेद –तत्सम ,तत्भव, देशज, विदेशज (स्रोत के आधार पर)
- शब्दों की व्याकरणिक कोटियाँ (संज्ञा,सर्वनाम ,क्रिया आदि) (केवल परिभाषा एवं भेद)
- शब्दगत अशुद्धियाँ
- शब्द – निर्माण – उपसर्ग ,प्रत्यय
- शब्द और पद में अंतर

Unit 3

व्याकरण व्यवहार

- लिंग , वचन , कारक ,
- संधि और समास
- मुहावरें एवं लोकोक्तियाँ
- अपठित गद्य

Unit 4

वाक्य परिचय

- वाक्य के अंग –उद्देश्य और विधेय
- वाक्य के भेद (रचना के आधार पर)
- वाक्यगत अशुद्धियाँ
- विराम चिन्ह

References

हिंदी भाषा साहित्य का इतिहास –धीरेन्द्र वर्मा

भारतीय पुरालिपि –डॉ.राजबलि पाण्डेय (लोकभारती प्रकाशन)

हिन्दी भाषा का उद्गम और विकास - उदयनारायण तिवारी

हिंदी भाषा की पहचान से प्रतिष्ठा तक – डॉ हनुमानप्रसाद शुक्ला

लिपि की कहानी – गुणाकर मुले

भाषा और समाज – रामविलास शर्मा

Additional Resources:

हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम –रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

हिंदी व्याकरण –कामताप्रसाद गुरु

हिंदी शब्दानुशासन – किशोरीदास वाजपेयी

A grammar lingusistics of the hindi language –kellog

Hindi linguistics – R.N.shrivastav

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, परियोजना कार्य

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

भाषा और अनुवाद की शब्दावली

हिंदी रंगमंच (BAPHDSE03)Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

रंगमंच का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान देना

हिन्दी रंगमंच के विकास के माध्यम से महत्वपूर्ण विचारकों के विचारों को समझना

Course Learning Outcomes

रंगमंच के विकास के साथ - साथ विभिन्न शैलियों की जानकारी प्राप्त होगी

प्रमुख विचारकों की रंगदृष्टि से अवगत हो पाएंगे

पारंपरिक और आधुनिक रंगमंच की समझ विकसित होगी

भारतबोध विकसित होगा

Unit 1

पारंपरिक रंगमंच: रामलीला, रासलीला, नौटंकी, बिदेसिया, पांडवानी, माच, अंकिया, सांग, ख्याल (सामान्य परिचय)

Unit 2

हिंदी रंगमंच : पारसी थिएटर, भारतेन्दु युगीन रंगमंच, माधव प्रसाद शुक्लयुगीन रंगमंच, पृथ्वी थिएटर

रंग संस्थाएँ : रंग- प्रशिक्षण एवं गतिविधियाँ, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय

रंगमंडल, भारत भवन, भोपाल; भारतेन्दु नाट्य अकादमी, लखनऊ

Unit 3

आधुनिक हिंदी रंगमंच की विविध शैलियाँ : शैलीबद्ध, यथार्थवादी, एब्सर्ड, लोक शैली

Unit 4

प्रमुख रंग व्यक्तित्व और उनकी रंगदृष्टि : झाड़ूराम देवांगन, राधेश्याम कथावाचक,

श्यामा नन्द जालान, सत्यदेव दुबे, भिखारी ठाकुर, ब. व. कारंत एवं इब्राहिम अल्काजी

References

परंपराशील नाट्य – जगदीशचन्द्र माथुर

पारसी हिंदी रंगमंच- लक्ष्मीनारायण लाल

नाट्यसम्राट पृथ्वीराज कपूर – जानकी वल्लभ शास्त्री

आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच- लक्ष्मीनारायण लाल

समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच – नरेंद्र मोहन

पहला रंग- देवेंद्र राज अंकुर

आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच- नेमिचन्द्र जैन

लखमीचंद का काव्य वैभव- हरिचन्द्र बंधु

भिखारी ठाकुर: भोजपुरी के भारतेन्दु- भगवत प्रसाद द्विवेदी

Additional Resources:

कंटेम्प्रेरी इंडियन थिएटर: इंटरव्यू विद प्लेराइटर्स एण्ड डायरेक्टर्स – संगीत नाटक अकादमी

थिएटर्स आव इंडिपेंडेंस – अपर्णा भार्गव धारवाड़कर

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, समूहिक चर्चा, व्यावहारिक ज्ञान के लिए एन॰एस॰ डी॰ भ्रमण, ऑनलाइन विडियो

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

रंगमंच संबंधी शब्दावली

कम्प्यूटर और हिंदी भाषा (BAPHSEC06)Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

कंप्यूटर की वर्तमान स्थिति की समझ विकसित करना

कंप्यूटर पर हिंदी का व्यावहारिक ज्ञान विकसित करना

Course Learning Outcomes

कंप्यूटर पर हिंदी भाषा के प्रयोग पर बल

सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान विकसित होगा

Unit 1

कम्प्यूटर का विकास और हिंदी

*कम्प्यूटर का परिचय और विकास

*कम्प्यूटर में हिंदी का आरम्भ एवं विकास

*हिंदी के विविध फॉन्ट

*कम्प्यूटर में हिंदी की चुनौतियाँ और संभावनाएँ

Unit 2

हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी

*इंटरनेट पर हिंदी

*यूनिकोड, देवनागरी लिपि और हिंदी भाषा

*हिंदी और वेब डिज़ाइनिंग

*हिंदी की वेबसाइट

Unit 3

हिंदी भाषा,कम्य्पूटर और गवर्नेंस

*राजभाषा हिंदी के प्रचार में कम्प्यूटर की भूमिका

*ई –गवर्नेंस, इंटरनेट

*हिंदी भाषा शिक्षण और ई-लर्निंग

*सरकारी और गैर – सरकारी संस्थाएं

Unit 4

हिंदी भाषा और कम्प्यूटर : विविध पक्ष

*इंटरनेट पर हिंदी पत्र – पत्रिकएँ

*एसएमएस की हिंदी

*न्यू मीडिया और हिंदी भाषा

*हिंदी के विभिन्न बोर्ड

References

कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा

कम्प्यूटर और हिंदी – हरिमोहन

हिंदी भाषा और कम्प्यूटर – संतोष गोयल

कम्प्यूटर के डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा सिद्धांत - पी.के.शर्मा

Additional Resources:

मीडिया : भूमंडलीकरण और समाज संपा.संजय द्विवेदी

नए ज़माने की पत्रकारिता – सौरव शुक्ल

पत्रकारिता से मीडिया तक – मनोज कुमार

जनसंचार के संदर्भ – जवरीमल्ल पारख

Teaching Learning Process

व्याख्यान, समूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

संबंधित क्षेत्र की शब्दावली

कार्यालयी हिंदी (BAPHSEC03)Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

कार्यालयी भाषा की जानकारी देना

विभिन्न कार्यालयी आवश्यकताओं को चिन्हित करना

Course Learning Outcomes

कार्यालयी भाषा का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा

विभिन्न कार्यालयी पत्राचार के विविध रूप सीख सकेंगे

टिप्पण, प्रारूपण और संक्षेपण आवश्यकताओं की समझ विकसित होगी

Unit 1

कार्यालयी हिंदी का स्वरूप, उद्देश्य तथा क्षेत्र

अभिप्राय तथा उद्देश्य

कार्यालयी हिन्दी का क्षेत्र

सामान्य हिंदी तथा कार्यालयी हिंदी : संबंध तथा अंतर

कार्यालयी हिंदी स्थिति और संभावनाएँ

Unit 2

कार्यालयी हिंदी की शब्दावली

कार्यालयी हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली

पदनाम तथा अनुभाग के नाम

मुख्य कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय और प्रशासनिक अधिकारियों के लिए प्रयुक्त होने वाले संबोधन,

निर्देश आदि

औपचारिक पदावलियाँ / अभिव्यक्तियाँ (सूची विभाग द्वारा तैयार)

Unit 3

कार्यालयी पत्राचार के विविध प्रकार

सामान्य परिचय

कार्यालय से निर्गत पत्र (ज्ञापन, परिपत्र, अनुस्मारक, पृष्ठांकन, आदेश, सूचनाएँ, निविदा)

आवेदन – लेखन

Unit 4

टिप्पण,प्रारूपण और संक्षेपण

टिप्पण का स्वरूप, विशेषताएँ और भाषा शैली

प्रारूपण के प्रकार, भाषा शैली, प्रारूपण की विधि

संक्षेपण के प्रकार, विशेषताएँ और संक्षेपण की विधि

उपर्युक्त सभी इकाइयों पर आधारित व्यावहारिक प्रश्न

References

-प्रयोजनमूलक हिंदी – माधव सोनटक्के

-प्रारूप शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन विधि - राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव

-प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका –कैलाशनाथ पाण्डेय

-प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी – कृष्ण कुमार गोस्वामी

Additional Resources:

-प्रयोजनमूलक हिंदी :सिद्धात और प्रयोग –दंगल झाल्टे

Teaching Learning Process

विभिन्न कार्यालयी पत्रों, दस्तावेज़ों के माध्यम से कार्यालयी भाषा का व्यावहारिक ज्ञान देना

कक्षा व्याख्यान

सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

सभी कार्यालयी शब्द

भाषा शिक्षण (BAPHSEC02)Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

विद्यार्थी भाषा शिक्षण की अवधारणा और महत्व से परिचित हो सकेंगे।

Course Learning Outcomes

विभिन्न भाषाई कौशलों के ज्ञानार्जन के उपरांत विद्यार्थी शिक्षण,मीडिया,अभिनय आदि क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का विकास कर सकेंगे। वे शिक्षण और प्रशिक्षण के क्षेत्र में नई पद्धतियों का अनुसंधान करने की दिशा में अग्रसर होंगे।

Unit 1

भाषा शिक्षण की अवधारणा

- भाषा शिक्षण: अभिप्राय और महत्त्व
- भाषा शिक्षण के उद्देश्य
- भाषा शिक्षण का राष्ट्रीय सन्दर्भ

- शिक्षण, प्रशिक्षण,अर्जन, अधिगम

Unit 2

भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाएँ

- प्रथम भाषा/ मातृभाषा तथा अन्य भाषा की संकल्पना
- द्वितीय भाषा तथा विदेशी भाषा की संकल्पना
- मातृभाषा और विदेशी भाषा के शिक्षण में अंतर
- विशिष्ट प्रयोजन के लिए भाषा शिक्षण

Unit 3

भाषा शिक्षण की विधियाँ और भाषिक कौशल

- भाषा कौशल- श्रवण,भाषण, वाचन, लेखन
- भाषा का कौशल के रूप में शिक्षण
- मातृभाषा शिक्षण पद्धतियाँ
- अन्य भाषा शिक्षण पद्धतियाँ

Unit 4

भाषा परीक्षण और मूल्याँकन

- भाषा परीक्षण की संकल्पना
- भाषा मूल्यांकन की संकल्पना
- भाषा परीक्षण के प्रकार
- मूल्याँकन के प्रकार

Practical

विद्यार्थी शिक्षक-प्रशिक्षण संस्थानों में जाकर मातृ भाषा और विदेशी भाषा शिक्षण की कक्षाओं का निरीक्षण कर सकते हैं और इसके प्रोजेक्ट तैयार कर सकते हैं।

References

- भाषा शिक्षण-रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- अन्य भाषा शिक्षण के कुछ पक्ष- संपादक अमर बहादुर सिंह
- भाषा शिक्षण तथा भाषा विज्ञान- संपादक ब्रजेश्वर वर्मा
- हिन्दी भाषा शिक्षण-भोलानाथ तिवारी

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

शिक्षण, अर्जन, दक्षता, ज्ञान

भाषाई दक्षता (BAPHSEC04)Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

विद्यार्थियों की भाषायी कुशलता का विकास।

व्यावसायिक एवं कार्यालयी हिंदी के सही प्रयोग का विकास।

विद्यार्थियों में द्रुतवाचन एवं मौन पठन का विकास।

Course Learning Outcomes

भाषायी दक्षता का विकास।

विद्यार्थियों की कार्य कुशलता में वृद्धि।

विषय के संक्षेपण एवं पल्लवन की कुशलता का विकास।

Unit 1

इकाई-1 : भाषायी दक्षता का विकास

- भाषायी दक्षता से तात्पर्य
- भाषायी दक्षता का महत्त्व
- श्रवण और वाचन
- पठन और लेखन

Unit 2

इकाई-2 : भाषायी दक्षता की निर्माण प्रक्रिया

- भाषायी संरचना की समझ और विकास
- भाषा-व्यवहार (भाषिक प्रयोग और शैली)
- भाषायी क्षमता को प्रभावित करने वाले तत्त्व (आयु, लिंग, शिक्षा, वर्ग)

Unit 3

इकाई-3 : भाषायी दक्षता के प्रायोगिक पक्ष

- भाषायी दक्षता की रणनीति : आकलन, लक्ष्य-निर्धारण, नियोजन के स्तर पर
- शब्द-सामर्थ्य : सामान्य एवं तकनीकी शब्द
- सुनना और बोलना – प्रभावी श्रवण के आयाम, शुद्ध उच्चारण, भाषण, एकालाप, वार्तालाप
- पढ़ना और लिखना – स्वाध्याय और उद्देश्य-केंद्रित पठन, सामान्य लेखन और रचनात्मक लेखन

Unit 4

इकाई-4 : भाषायी दक्षता का व्यावहारिक पक्ष

- किसी एक विषय पर – भाषण, वार्तालाप या टिपण्णी, समूह चर्चा
- किसी एक विषय का – भाव-विस्तार या पल्लवन
- द्रुतवाचन – किसी साहित्यिक कृति पर आधारित

- समीक्षा – पुस्तक-समीक्षा, फिल्म-समीक्षा

References

· भाषा शिक्षण – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

· सृजनात्मक साहित्य – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

· व्यावसायिक हिंदी – दिलीप सिंह

· प्रयोजनमूलक हिंदी – दंगल झाल्टे

· आधुनिक पत्रकारिता – डॉ. अनुज तिवारी

Additional Resources:

· व्यावहारिक हिंदी एवं प्रयोग – डॉ. ओम प्रकाश

· जनमाध्यम प्रौद्योगिकी और विचारधारा – जगदीश्वर चतुर्वेदी

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान , सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट असाइनमेंट

रचनात्मक लेखन (BAPHSEC01)Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

- विद्यार्थियों के मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति कौशल को विकसित करना.
- उनमें कल्पनाशीलता और रचनात्मकता का विकास करना.
- साहित्य की विविध विधाओं और उनकी रचनात्मक शैली का परिचय कराते हुए लेखन की ओर प्रेरित करना.
- प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के लिए लेखन की प्रवृति को विकसित करना.

Course Learning Outcomes

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थियों में -

- मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति कौशल को विकसित होने में मदद मिलेगी.
- उनमें कल्पनाशीलता और रचनात्मकता का विकास हो सकेगा.
- साहित्य की विविध विधाओं और उनकी रचनात्मक शैली का परिचय होगा जिससे वे स्वयं भी इन विधाओं में लेखन की अग्रसर हो सकेंगे.
- प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के लिए लेखन की ओर भी वे अग्रसर होंगे.

Unit 1

रचनात्मक लेखन: अवधारणा, स्वरूप एवं सिद्धांत

- भाव एवं विचार की रचना में अभिव्यक्ति की प्रक्रिया
- अभिव्यक्ति के विविध क्षेत्र: साहित्य, पत्रकारिता, विज्ञापन, भाषण, लोकप्रिय संस्कृति
- लेखन के विविध रूप: मौखिक-लिखित, गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर, नाट्य-पाठ्य, बाल-लेखन

Unit 2

रचनात्मक लेखन: आधार और विश्लेषण

- अर्थ निर्मिति के आधार: शब्द और अर्थ की मीमांसा, शब्द के पुराने-नए प्रयोग, शब्द की व्याकरणिक कोटि
- भाषा की भंगिमाएँ: औपचारिक-अनौपचारिक, मौखिक-लिखित, मानक
- भाषिक सन्दर्भ: क्षेत्रीय, वर्ग-सापेक्ष, समूह-सापेक्ष
- रचना-सौष्ठव:शब्द-शक्ति,प्रतीक, बिम्ब, अलंकार, वक्रता

Unit 3

विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन

- कविता: संवेदना, भाषिक सौष्ठव, छंदबद्ध-छन्दमुक्त, लय, गति,तुक
- कथा-साहित्य: वस्तु, पात्र, परिवेश,कथ्य और भाषा
- नाट्य-साहित्य: वस्तु, पात्र, परिवेश, कथ्य,रंगमंच और नाट्य-भाषा
- विविध गद्य विधाएँ: निबंध, संस्मरण, आत्मकथा, व्यंग्य, रिपोर्ताज, यात्रा वृतांत
- बच्चों के लिए लेखन

- नोट: उपरोक्त का परिचय देते हुए इनका अभ्यास भी करवाया जाए.

Unit 4

सूचना-माध्यमों के लिए लेखन

- प्रिंट माध्यम के लिए लेखन : फीचर, यात्रा-वृत्तांत, साक्षात्कार, फिल्म-पुस्तक-नाटक समीक्षा, विज्ञापन
- इलेक्ट्रॉनिक माध्यम के लिए लेखन : विज्ञापन, पटकथा, संवाद
- नोट: उपरोक्त का परिचय देते हुए इनका अभ्यास भी करवाया जाए.

References

1. साहित्य चिंतन: रचनात्मक आयाम- रघुवंश
2. शैली - रामचंद्र मिश्र
3. रचनात्मक लेखन- सं रमेश गौतम
4. कविता क्या है - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
5. कथा-पटकथा - मन्नू भंडारी
6. पटकथा लेखन- मनोहर श्याम जोशी

Additional Resources:

1. कला की जरूरत -अन्र्स्ट फिशर, अनुवादक - रमेश उपाध्याय
2. साहित्य का सौंदर्यशास्त्र- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
3. कविता-रचना प्रक्रिया - कुमार विमल

Teaching Learning Process

- पाठ्यक्रम में निर्धारित विभिन्न रचनात्मक अभिव्यक्तियों से विद्यार्थी का परिचय करवाना.
- विद्यार्थी को उक्त अभिव्यक्तियों के अभ्यास के लिए प्रेरित करना.
- विभिन्न साहित्यकारों के साहित्य का पठन-पाठन करने के लिए प्रेरित करना.
- भाषायी कौशल के विकास के लिए कार्यशालाएँ आयोजित करना.

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

विज्ञापन और हिंदी भाषा (BAPHSEC05)Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

I. विद्यार्थियों को विज्ञापन के विस्तृत क्षेत्र से परिचित कराना

II. विज्ञापन भाषा के स्वरूप और विशेषताओं का बोध कराना

III. विभिन्न माध्यमों के लिए विज्ञापन कॉपी लेखन का अभ्यास कराना

Course Learning Outcomes

I. विज्ञापन लेखन की दृष्टि से भाषा-दक्षता

II. विज्ञापन निर्माण की पूरी प्रक्रिया को समझना

III. विज्ञापन बाज़ार में विभिन्न माध्यमों की पहुँच और प्रसार क्षमता से परिचित होना

IV. कॉपी लेखन आदि कार्यों के लिए तैयार होना

Unit 1

इकाई 1 : विज्ञापन : स्वरूप एवं अवधारणा

· विज्ञापन : अर्थ, परिभाषा और महत्व

· विज्ञापन के उद्देश्य: आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक

· विज्ञापन के प्रमुख प्रकार

· विज्ञापन के प्रभाव

Unit 2

इकाई 2 : विज्ञापन माध्यम

· विज्ञापन माध्यम चयन के आधार

· प्रिंट, रेडियो और टेलीविज़न

· डिजिटल विज्ञापन तथा आउट ऑफ़ होम विज्ञापन—होर्डिंग,पोस्टर, बैनर, साइन बोर्ड,

सोशल मीडिया विज्ञापन--फेसबुक, ट्विटर, यू-ट्यूब, सोशल नेटवर्किंग साइट्स

· अन्य माध्यम

Unit 3

इकाई 3 : विज्ञापन की भाषा

· विज्ञापन की भाषा का स्वरूप एवं विशेषताएँ

· विज्ञापन की भाषा-शैली के विभिन्न पक्ष

· विज्ञापन स्लोगन एवं पंच लाइन

· प्रमुख हिंदी विज्ञापनों की भाषा का विश्लेषण

Unit 4

इकाई 4 : विज्ञापन:कॉपी लेखन

· विज्ञापन कॉपी के अंग

- प्रिंट माध्यम: लेआउट के विविध प्रारूप

· वर्गीकृत एवं सजावटी विज्ञापन-निर्माण

· रेडियो जिंगल लेखन

· टेलीविज़न विज्ञापन के लिए कॉपी लेखन

References

सहायक ग्रन्थ

Ø जनसंपर्क, प्रचार और विज्ञापन - विजय कुलश्रेष्ठ

Ø जनसंचार माध्यम : भाषा और साहित्य - सुधीश पचौरी

Ø डिजिटल युग में विज्ञापन - सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी

Ø ब्रेक के बाद - सुधीश पचौरी

Additional Resources:

Ø मीडिया की भाषा - वसुधा गाडगिल

Ø विज्ञापन की दुनिया - कुमुद शर्मा

Ø विज्ञापन डॉट कॉम - रेखा सेठी

Ø विज्ञापन: भाषा और संरचना - रेखा सेठी

Ø विज्ञापन और ब्रांड – संजय सिंह बघेल

Ø मीडिया और बाज़ार – वर्तिका नंदा

Ø भारतीय मीडिया व्यवसाय – वनिता कोहली खांडेकर

Ø संचार क्रांति और बदलता सामाजिक सौंदर्य बोध - कृष्ण कुमार रत्तू

Ø Jethwaney, J. N., & Jain, S. (2012). *Advertising management.* Oxford: Oxford University Press.

Ø Chunawalla. (2000). *Advertising theory and practice*. Mumbai: Himalaya Publishing House.

Ø Martin, P., & Erickson, T. (2011). *Social media marketing*. New Delhi: Global Vision Publishing House.

वेबलिंक

- www.adbrands.net
- www.afaqs.com
- www.adgully.com
- www.cnbc.com
- www.exchange4media.com

Teaching Learning Process

1) कक्षाओं में पठन-पाठन पद्धति

2) परिचर्चाएँ

3) समूह में प्रोजेक्ट प्रस्तुति

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

ब्रांड, कॉपी, स्लोगन, डिजिटल, सोशल मीडिया

अनुवाद : व्यवहार और सिद्धांत (BAPHGE01)Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

अनुवाद के व्यवहार और सिद्धान्त की समझ विकसित करना

विभिन्न क्षेत्रों की मांगों के अनुरूप अनुवाद दक्षता निर्मित करना

Course Learning Outcomes

अनुवाद के विभिन्न क्षेत्रों की आवश्यकता को समझने में मदद मिलेगी

सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान निर्मित होगा

Unit 1

1. भारत का भाषाई परिदृश्य और अनुवाद
2. अनुवाद का स्वरुप और प्रकार
3. अनुवाद के उपकरण - कोश -ग्रन्थ
4. अनुवाद प्रक्रिया

Unit 2

1. प्रयुक्ति की अवधारण ; विविध प्रयुक्ति क्षेत्र
2. विविध प्रयुक्ति क्षेत्रों से सम्बंधित सामग्री के अनुवाद की सामान्य समस्याएँ

3. विभिन्न प्रयुक्ति क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली
4. अनुवाद की व्यावसायिक संभावनाएँ

Unit 3

अनुवाद व्यवहार - 1 (अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी)

1. सर्जनात्मक साहित्य
2. ज्ञान-विज्ञान और तकनीकी साहित्य
3. सामाजिक विज्ञान

Unit 4

अनुवाद व्यवहार - 2 (अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी)

1. जनसंचार
2. प्रशासनिक अनुवाद
3. बैंकिंग अनुवाद
4. विधि अनुवाद

Practical

References

1. अनुवाद के भाषिक सिद्धांत - कैटफोर्ड, जे सी सिद्धांत (अनुवाद - रविशंकर दीक्षित) मध्य प्रदेश ग्रन्थ अकादेमी, भोपाल
2. अनुवाद के सिद्धांत - रेड्डी, आर.आर. (अनुवाद- डा. जे. एल. रेड्डी) साहित्य अकादेमी, मंडी हाउस, नयी दिल्ली
3. अनुवाद-सिद्धांत और प्रयोग - गोपीनाथन, जी. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Additional Resources:

1. अनुवाद विज्ञान-सिद्धान्त और अनुप्रयोग - संपादक- डा. नगेन्द्र, हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
2. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा - सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली.

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

अनुवाद, मूल भाषा, संस्कृति, समाज, सम्प्रेषण, अर्थ दर्शन, भाव साम्यता

अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य (BAPHGE03)Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

अस्मिताओं का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान

प्रमुख रचनाओं के अध्ययन के माध्यम से संवेदनात्मक विश्लेषण

Course Learning Outcomes

अस्मितामूलक विमर्श का ज्ञान

विभिन्न अस्मिताओं की समस्याओं और उसके परिवेश को समझना

प्रमुख कृतियों का परिचय

Unit 1

इकाई - 1 : विमर्शों की सैद्धांतिकी

क) दलित विमर्श : अवधारणा और आंदोलन, फुले और अम्बेडकर

ख) स्त्री विमर्श : अवधारणाएं और आंदोलन (पाश्चात्य और भारतीय)

रैडिकल, मार्क्सवादी, दलित स्त्रीवाद

यौनिकता, लिंगभेद, पितृसत्ता, समलैंगिकता

ग) आदिवासी विमर्श : अवधारणा और आंदोलन

जल, जंगल, जमीन और पहचान का सवाल

Unit 2

विमर्शमूलक कथा साहित्य :

(1) ओमप्रकाश बाल्मीकि - सलाम

(2) जयप्रकाश कर्दम - मोहरे (तलाश : कहानी संग्रह से)

(3) हरिराम मीणा - धूणी तपे तीर, पृष्ठ संख्या :158-167

Unit 3

विमर्शमूलक कविता :

क) दलित कविता :

(1) हीरा डोम (अछूत की शिकायत)

(2) माता प्रसाद (सोनवा का पिंजरा)

ख) स्त्री कविता :

(1)अनामिका (स्त्रियाँ)

(2) निर्मला पुत्तुल (क्या तुम जानते हो)

Unit 4

इकाई - 4 विमर्शमूलक अन्य गद्य विधाएँ :

1 प्रभा खेतान, पृष्ठ 28-42 : अन्या से अनन्या तक

2 तुलसीराम : मुर्दहिया (चौधरी चाचा से प्रारम्भ पृष्ठ संख्या 125 से 135)

3 श्यौराज सिंह 'बेचैन' - मेरा बचपन मेरे कंधों पर (दिल्ली : बड़ी दुनिया में छोटे कदम, यहाँ एक मोची रहता था)

References

अम्बेडकर रचनावली - भाग-1

मूक नायक, बहिष्कृत भारत - अम्बेडकर (अनुवादक श्यौराज सिंह 'बेचैन')

गुलामगिरी- ज्योतिबा फुले

ज्योतिबा फुले : सामाजिक क्रांति के अग्रदूत - डॉ नामदेव

दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मीकि

दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - शरण कुमार निम्बाले

·दलित आंदोलन का इतिहास - मोहनदास नैमिशराय

हिंदी दलित कथा साहित्य : अवधारणा एवं विधाएँ - रजत रानी 'मीनू'

अस्मितामूलक विमर्श - रजत रानी मीनू

स्त्री उपेक्षिता - सिमोन द बोउवा

उपनिवेश में स्त्री - प्रभा खेतान

औरत होने की सजा -अरविंद जैन

नारीवादी राजनीति -सं. जिनी निवेदिता

स्त्री अस्मिता साहित्य और विचारधारा - सुधा सिंह

स्त्री स्वर : अतीत और वर्तमान - डॉ नीलम, डॉ नामदेव

आदिवासी अस्मिता का संकट - रमणिका गुप्ता

सामाजिक न्याय और दलित साहित्य- श्यौराज सिंह 'बेचैन' (स॰)

Additional Resources:

दलित दस्तक

सम्यक भारत

अंबेडकर इन इंडिया

बहुरी नहीं आवना

नेशनल दस्तक (वेब लिंक)

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, फिल्म और डॉक्यूमेंट्री

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

अस्मितामूलक विमर्श से जुड़े तथ्य

जनपदीय साहित्य (BAPHGE02)Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

बोलियों और जनसंस्कृति का परिचय देना

जनपदीय जीवनशैली और साहित्य को अध्ययन की मुख्यधारा से जोड़ना

Course Learning Outcomes

लोक संस्कृति की समझ विकसित होगी

पर्यटन, साहित्य और बोलियों की जानकारी प्राप्त होगी

लोकसाहित्य के अध्ययन विश्लेषण की जानकारी प्राप्त होगी

Unit 1

जनपदीय साहित्य

जनपदीय साहित्य की अवधारणा, जनपदीय साहित्य के विविध रूप – लोकगीत , लोककथा , लोकगाथाएं , लोकनाट्य , लोकोक्तियाँ , पहेलियाँ – बुझौवल और मुहावरे, हिंदी प्रदेश की जनपदीय बोलियाँ और उनका साहित्य (सामान्य परिचय), मौखिक साहित्य और समाज |

Unit 2

लोकगीत :वाचिक और मुद्रित

संस्कार गीत :सोहर , विवाह, मंगलगीत इत्यादि

सोहर भोजपुरी :भोजपुरी संस्कार गीत - श्री हंस कुमार तिवारी –बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् प्.8 ,गीत संख्या 4

सोहर अवधी –हिंदी प्रदेश की लोकगीत – कृष्णदेव उपाध्याय प्.110,111, साहित्य भवन इलाहावाद

विवाह – भोजपुरी – भारतीय लोकसाहित्य : परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा ,प्.116

ऋतुसंबंधी गीत :बारामासा, होली, चैत, कजरी इत्यादि !

-निम्नलिखित पाठ्यपुस्तकों के पृष्ट

हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य : शंकर लाल यादव पृ 231

हिंदी प्रदेश के लोकगीत : कृष्णदेव उपाध्याय, पृ 205

वाचिक कविता :भोजपुरी :पं विद्यानिवास मिश्र ,पृ 51,49

श्रमसंबंधी गीत : कटनी , जंतसर ,दँवनी, रोपनी , इत्यादि

कटनी के गीत, अवधी 2 गीत –हिंदी प्रदेश के लोकगीत: पं कृष्णदेव उपाध्याय, पृ 134 135

जंतासरी : भोजपुरी – भारतीय लोकसाहित्य परंपरा और परिदृश्य –विद्या सिन्हा ,पृ 140,141

विविध गीत :घुघुती – कुमाउनी:कविता कौमुदी :ग्रामगीत : पं. रामनरेश त्रिपाठी

गढ़वाली :कविता कौमुदी :ग्रामगीत ,पं . रामनरेश त्रिपाठी , पृ 801 -802

Unit 3

लोककथाएँ एवं लोकगाथाएं : सामान्य परिचय और प्रसिद्ध लोककथाएँ एवं लोकगाथाएँ - आल्हा ,लोरिक ,सारंग सदावृक्ष , बिहुला

राजस्थानी लोककथा नं.2,हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, पंडित राहुल सांकृत्यायन पृ 10 , 11 (सोलहवां भाग)

मालवी लोक कथा नं.2, हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, पंडित राहुल सांकृत्यायन पृ 461 -462

अवधी लोककथा नं. 2 ,हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, पंडित राहुल सांकृत्यायन पृ 187 -188

Unit 4

(क)पाठ : संक्षिप्त लक्कड़हारा सांग लखमीचंद ग्रन्थावली

संपा प्रो पूरनचंद शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी , चंडीगढ़

(ख) बिदेसिया : भिखारी ठाकुर कृत लोकनाट्य

बिदेसिया, कठपुतली, सांग,(हरियाणा) भांड , ख्याल (राजस्थान), माच (मालवा)

References

हिंदी प्रदेश के लोकगीत –कृष्णदेव उपाध्याय

हरियाणा प्रदेश के लोकसाहित्य - शंकर लाल यादव

मीट माई पीपल – देवेन्द्र सत्यार्थी

मालवी लोकसाहित्य का अध्ययन– श्याम परमार

रसमंजरी - पं.विद्यानिवास मिश्र

हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास , पं॰ राहुल संकृत्यायन(सोलहवां भाग)

वाचिक साहित्य :भोजपुरी –पं.विद्यानिवास मिश्र

भारतीय लोक साहित्य : परंपरा और परिदृश्य - विद्या सिन्हा

कविता कौमुदी :ग्रामगीत –रामनरेश त्रिपाठी

लखमीचंद का काव्य – वैभव –हरिचंद बंधु

Additional Resources:

सूत्रधार –संजीव

हिंदी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन-हरियाणा साहित्य अकादमी का प्रकाशन

मध्यप्रदेश लोककला अकादमी की पत्रिका – चौमासा

हिंदी का जनपदीय साहित्य – विद्यानिवास मिश्र

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, समूहिक चर्चा, ऑनलाइन वीडियो

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट असाइनमेंट

Keywords

सभी नाम और शैलियाँ, जनपद, संस्कृति-समाज, बोलियाँ

हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन (BAPHGE04)Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

सिनेमा के निर्माण और उपभोग या आलोचना की व्यावहारिक समझ विकसित करना

हिन्दी सिनेमा के विकास का अध्ययन

कुछ प्रमुख फिल्मों के माध्यम से सिनेमा में आ रहे बदलाव को समझना

Course Learning Outcomes

सिनेमा की व्यावहारिक और आलोचनात्मक समझ विकसित होगी

सिनेमा के विकास के माध्यम से भारत के मनोरंजन जगत मे आ रहे बदलाव को समझ सकेंगे

Unit 1

कला विधा के रूप में सिनेमा और उसकी सैद्धांतिकी

Unit 2

हिंदी सिनेमा : उदभव और विकास

Unit 3

सिनेमा में कैमरे की भूमिका

Unit 4

नयी तकनीकी और सिनेमा – संभावनाएं और चुनौतियाँ

(संदर्भ – मुगले आज़म, मदर इंडिया, दीवार , पीके)

References

हिंदी सिनेमा का इतिहास – मनमोहन चड्ढा

सिनेमा, नया सिनेमा - ब्रजेश्वर मदान

सिनेमा : कल,आज और कल – विनोद भारद्वाज

Additional Resources:

हिंदी का मौखिक परिदृश्य – करुणाशंकर उपाध्याय

हिंदी का मौखिक परिदृश्य – कौशल कुमार गोस्वामी

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, वीडियो क्लिप का अध्ययन और उसे बनाना, कैमरे का कक्षा के बाहर अध्ययन

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

सिनेमाई शब्दावली

आधुनिक भारतीय भाषा - हिंदी : भाषा और साहित्य (हिंदी-क) (BAPMILHA01)Ability-Enhancement Compulsory Course(Only meant for Language Department/ EVS for Department of Environmental Studies) - (AECC) Credit:4

Course Objective(2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना

राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की स्थिति का परिचय देना

विशिष्ट कविताओं के अध्ययन-विश्लेषण के माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित करना

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी

आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्कभाषा की जानकारी प्राप्त होगी

Unit 1

हिंदी भाषा

क. आधुनिक भारतीय भाषाओं का उद्भव और विकास

ख. हिंदी भाषा का परिचय एवं विकास

ग. राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क-भाषा के रूप में हिंदी

Unit 2

हिंदी साहित्य का इतिहास

क. हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल. मध्यकाल) सामान्य परिचय

ख. हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) सामान्य परिचय

Unit 3

(क) कबीर - कबीर ग्रंथावली. संपा श्यामसुंदरदास. काशी नागरी प्रचारिणी सभा. उन्नीसवां संस्करण सं 2054 वि.

पृ. 23 दोहा 27, पृ 29. दोहा 20, पृ. 30 दोहा 3 और 4, पृ 35 दोहा 8. पृ 39 दोहा 9

(ख) भूषण - भूषण ग्रंथावली, संपा. आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली- 1998)

कवित्त संख्या - 409, 411, 412, 413

(ग) बिहारी बिहारी रत्नाकर - संपा . जगन्नाथ दास रत्नाकर बी.ए., प्रकाशन संस्थान. नई दिल्ली सं. 2006

दोहा 1, 10, 13, 32, 38

Unit 4

आधुनिक हिंदी कविता

जयशंकर प्रसाद - हिमाद्रि तुंग श्रृंग से

नागार्जुन - बादल को घिरते देखा है

रघुवीर सहाय - कला क्या है

References

रामचंद्र शुक्ल - हिंदी साहित्य का इतिहास

हजारीप्रसाद द्विवेदी - हिंदी साहित्य की भूमिका

संपा. डॉ. नगेंद्र - हिंदी साहित्य का इतिहास

हिन्दी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स - डॉ॰ रसाल सिंह

Additional Resources:

रामस्वरूप चतुर्वेदी - हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास

आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र- भूषण ग्रंथावली

Teaching Learning Process

व्याख्यान, समूहिक चर्चा, वीडियो आदि

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

आधुनिक भारतीय भाषा - हिंदी : भाषा और साहित्य (हिंदी-ख) (BAPMILHB01)Ability-Enhancement Compulsory Course(Only meant for Language Department/ EVS for Department of Environmental Studies) - (AECC) Credit:4

Course Objective(2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना

विशिष्ट कविताओं के अध्ययन-विश्लेषण के माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित करना

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी

विशिष्ट कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी

Unit 1

हिंदी भाषा और साहित्य :

(क) आधुनिक भारतीय भाषाओं का सामान्य परिचय

(ख) हिंदी भाषा का विकास : सामान्य परिचय

(ग) हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, मध्यकाल) : संक्षिप्त परिचय

(घ) हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) : संक्षिप्त परिचय

Unit 2

भक्तिकालीन कविता :

(क) कबीर : संपा. श्यामसुंदर दास, कबीर ग्रंथावली, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, उन्नीसवाँ संस्करण, सं. 2054 वि.

पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ ...

कस्तूरी कुंडलि बसै ...

यह तन विष की बेलरी, गुरु अमृत की खान ...

सात समुंदर की मसि करूँ ...

साधु ऐसा चाहिए ...

सतगुरु हमसूँ रीझकर ...

(ख) तुलसी : 'रामचरितमानस' से केवट प्रसंग

Unit 3

रीतिकालीन कविता

(क) बिहारी :

बतरस लालच लाल की ...

या अनुरागी चित्त की ...

सटपटाति-सी ससिमुखी ...

(ख) मीराबाई की पदावली. संपा. आचार्य परशुराम चतुर्वेदी. हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग.चौदहवां संस्करण 1892.सन् 1970 ई. पद 1. 4. 5.

Unit 4

आधुनिक कविता

सुभद्रा कुमारी चौहान : 'बालिका का परिचय'

निराला : तोड़ती पत्थर

References

रामचंद्र शुक्ल - हिंदी साहित्य का इतिहास

हजारीप्रसाद द्विवेदी - हिंदी साहित्य की भूमिका

संपा. डॉ. नगेंद्र - हिंदी साहित्य का इतिहास

हिन्दी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स - डॉ॰ रसाल सिंह

Additional Resources:

रामस्वरूप चतुर्वेदी - हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास

विश्वनाथ त्रिपाठी - हिंदी साहित्य का सरल इतिहास

Teaching Learning Process

व्याख्यान सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

आधुनिक भारतीय भाषा - हिंदी : भाषा और साहित्य (हिंदी-ग) (BAPMILHC01)Ability-Enhancement Compulsory Course(Only meant for Language Department/ EVS for Department of Environmental Studies) - (AECC) Credit:4

Course Objective(2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना

विशिष्ट कविताओं के अध्ययन-विश्लेषण के माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित करना

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी

विशिष्ट कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी

Unit 1

इकाई - 1 :हिंदी भाषा और साहित्य

(क) हिंदी भाषा का सामान्य परिचय एवं विकास

(ख) हिंदी का भौगौलिक विस्तार

(ग) हिंदी कविता का विकास (आदिकाल ,मध्यकाल) : सामान्य विशेषताएँ

(घ) हिंदी कविता का विकास (आधुनिक काल) : सामान्य विशेषताएँ

Unit 2

इकाई -2 भक्तिकालीन हिंदी कविता

कबीर :

- गुरु गोविन्द दोऊ खड़े ...
- निंदक नियरे राखिये...
- माला फेरत जुग भया...
- पाहन पूजे हरि मिले ...

सूरदास :

- मैया मैं नहिं माखन खायौ...
- ऊधो मन न भए दस-बीस...

Unit 3

इकाई -3 : रीतिकालीन हिंदी कविता

(क) बिहारी :

- मेरी भव बाधा हरौ...
- कनक कनक ते सौ गुनी...
- थोड़े ही गुन रीझते...
- कहत नटत रीझत खिजत...

(ख) घनानंद :

- अति सूधो सनेह को मारग...
- रावरे रूप की रीति अनूप**...**

Unit 4

इकाई -4 :आधुनिक हिंदी कविता

- मैथिलीशरण गुप्त - नर हो न निराश करो...
- सुमित्रानंदन पन्त - आह! धरती कितना देती है...

References

1. कबीर - हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. तुलसी काव्य मीमांसा - उदयभानु सिंह
3. हिन्दी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स - डॉ॰ रसाल सिंह
4. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास - विश्वनाथ त्रिपाठी

Additional Resources:

Additional Resources:

1. बिहारी की वाग्विभूति-विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
2. हिंदी साहित्य का इतिहास - रामचंद्र शुक्ल

Teaching Learning Process

सीखने की इस प्रक्रिया में हिंदी साहित्य और हिंदी कविता को मजबूती प्रदान करना है । कालक्रम से विद्यार्थी युगबोध को ठीक से जान सकेंगे । छात्र कविता के माध्यम से उसमें निहित मानवतावादी दृष्टिकोण को बेहतर तरीके से जान सकेंगे । हिंदी भाषा आज तेजी से वैश्वीकृत हो रही है । ऐसे में कविता की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है । साहित्य के आरंभ से ही कविता ने समय और समाज को प्रभावित किया है और मानवीय आचरण को संतुलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है । अतः शिक्षण में हिंदी कविता छात्रों के दृष्टिकोण को और भी अधिक परिपक्व करेगी ।प्रस्तुत पाठ्यक्रम को निम्नांकित सप्ताहों में विभाजित किया जा सकता है -

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

साहित्य, कविता, भाव सौंदर्य, शिल्प, इतिहास, विकास

आधुनिक भारतीय भाषा - हिंदी भाषा और संप्रेषण (BAPAECC01)Ability-Enhancement Compulsory Course(Only meant for Language Department/ EVS for Department of Environmental Studies) - (AECC) Credit:4

Course Objective(2-3)

- भाषिक सम्प्रेषण के स्वरूप एवं सिद्धांतों से विद्यार्थी का परिचय
- विभिन्न माध्यमों की जानकारी
- प्रभावी सम्प्रेषण का महत्त्व
- रोजगार सम्बन्धी क्षेत्रों के लिए तैयार करना

Course Learning Outcomes

स्नातक स्तर के छात्रों को भाषायी संप्रेषण की समझ और संभाषण से संबंधित विभिन्न पक्षों से अवगत करवाया जाएगा।

भाषा के शुद्ध उच्चारण , सामान्य लेखन, रचनात्मक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से अवगत हो सकेंगे ।

भाषा की समृद्धि के लिए वार्तालाप , भाषण , उसके पल्लवन , पुस्तक-समीक्षा, फिल्म-समीक्षा का भी अध्ययन कर सकेंगे ।

Unit 1

इकाई -1 - भाषिक सम्प्रेषण : स्वरूप और सिद्धान्त

1 - सम्प्रेषण की अवधारणा और महत्व

2- सम्प्रेषण की प्रक्रिया

3- सम्प्रेषण के विभिन्न मॉडल

4- अभाषिक संप्रेषण

Unit 2

इकाई - 2 सम्प्रेषण के प्रकार

1. मौखिक और लिखित
2. वैयक्तिक, सामाजिक और व्यावसायिक
3. भ्रामक सम्प्रेषण (miscommunication) और प्रभावी संप्रेषण में अंतर
4. सम्प्रेषण में चुनौतियाँ एवं संभावनाएं

Unit 3

इकाई - 3 सम्प्रेषण के माध्यम

1. एकालाप
2. संवाद
3. सामूहिक चर्चा
4. जन संचार माध्यमों पर संप्रेषण : कंप्यूटर-इंटरनेट, ई-मेल, ब्लॉग, वेबसाइट

Unit 4

इकाई - 4 व्यक्तित्व और प्रभावी भाषिक सम्प्रेषण

1. व्यक्तित्व और भाषिक अस्मिता - आयु, लिंग, वर्ग, शिक्षा
2. प्रभावी सम्प्रेषण के गुण - शुद्ध उच्चारण, भाषिक संरचना की समझ, भाषा व्यवहार, शब्द सामर्थ्य, शैली -सुर-लहर, अनुतान, बलाघात
3. प्रभावी व्यक्तित्व के निर्माण में सम्प्रेषण की भूमिका

References

- हिन्दी का सामाजिक संदर्भ- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- संप्रेषण-परक व्याकरणः सिद्धांत और स्वरूप-सुरेश कुमार
- प्रयोग और प्रयोग- वी.आर.जगन्नाथ
- भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका-विद्यानिवास मिश्र

Additional Resources:

- कुछ पूर्वग्रह-अशोक वाजपेयी
- भाषाई अस्मिता और हिन्दी-रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- रचना का सरोकार-विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- संप्रेषणः चिंतन और दक्षता- डॉ.मंजु मुकुल

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

हिंदी गद्य : उदभव और विकास (हिंदी-क) (BAPMILHA02)Ability-Enhancement Compulsory Course(Only meant for Language Department/ EVS for Department of Environmental Studies) - (AECC) Credit:4

Course Objective(2-3)

हिन्दी गद्य की विभिन्न विधाओं का परिचय देना

विभिन्न कृतियों द्वारा आधुनिक साहित्य की समझ विकसित करना

Course Learning Outcomes

हिन्दी गद्य साहित्य के विकास का परिचय प्राप्त होगा

कृतियों के अध्ययन-विश्लेषण से साहित्यिक समझ विकसित होगी

Unit 1

हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास : सामान्य परिचय

हिन्दी गद्य के विभिन्न रूपों का परिचय

Unit 2

प्रेमचंद - जुलूस

मोहन राकेश - मलबे का मालिक

मन्नू भण्डारी - मैं हार गई

Unit 3

रामचन्द्र शुक्ल - उत्साह

हजारी प्रसाद द्विवेदी - अशोक के फूल

विद्यानिवास मिश्र - रहिमन पानी राखिए

Unit 4

यात्रा वृतांत - चीड़ों पर चाँदनी - निर्मल वर्मा

व्यंग्य - भोलाराम का जीव - हरिशंकर परसाई

नाटक - अंधेर नगरी - भारतेन्दु

References

हिन्दी का गद्य साहित्य - रामचन्द्र तिवारी

हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह

बलकृष्ण भट्ट के निबंध - सत्यप्रकाश मिश्र

महादेवी - दूधनाथ सिंह

कथेतर - माधव हाड़ा

गद्य की पहचान - अरुण प्रकाश

Additional Resources:

Additional Resources:

www.hindisamay.com

www.gadykosh.com

http://hanshindimagazine.in

Teaching Learning Process

व्याख्यान और सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

गद्य, कथा, शिल्प, संरचना

हिंदी गद्य : उदभव और विकास (हिंदी-ख) (BAPMILHB02)Ability-Enhancement Compulsory Course(Only meant for Language Department/ EVS for Department of Environmental Studies) - (AECC) Credit:4

Course Objective(2-3)

हिन्दी गद्य की विभिन्न विधाओं का परिचय देना

विभिन्न कृतियों द्वारा आधुनिक साहित्य की समझ विकसित करना

Course Learning Outcomes

हिन्दी गद्य साहित्य के विकास का परिचय प्राप्त होगा

कृतियों के अध्ययन-विश्लेषण से साहित्यिक समझ विकसित होगी

Unit 1

हिंदी गद्य : उद्भव और विकास

हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय

Unit 2

प्रेमचंद – बूढी काकी

चंद्रधर शर्मा गुलेरी – उसने कहा था

भीष्म साहनी - चीफ़ की दावत

Unit 3

बालमुकुन्द गुप्त – मेले का ऊंट

हरिशंकर परसाई – सदाचार का ताबीज़

धर्मवीर भारती - ठेले पर हिमालय

Unit 4

भारतेंदु – अंधेर-नगरी

महादेवी वर्मा – बिबिया

References

हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी

हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास –बच्चन सिंह

Additional Resources:

निबंधो की दुनिया – विजयदेव नारायण साही ;निर्मला जैन /हरिमोहन शर्मा

छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य –विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

हिंदी रेखाचित्र –हरवंश लाल शर्मा

निबंधो की दुनिया – शिवपूजन सहाय ;निर्मला /अनिल राय

Teaching Learning Process

व्याख्यान और सामूहिक चर्चा

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

कथा, शिल्प, कथा-विन्यास, संरचना, कथा-भाषा

हिंदी गद्य : उदभव और विकास (हिंदी-ग) (BAPMILHC02)Ability-Enhancement Compulsory Course(Only meant for Language Department/ EVS for Department of Environmental Studies) - (AECC) Credit:4

Course Objective(2-3)

हिन्दी गद्य की विभिन्न विधाओं का परिचय देना

विभिन्न कृतियों द्वारा आधुनिक साहित्य की समझ विकसित करना

Course Learning Outcomes

हिन्दी गद्य साहित्य के विकास का परिचय प्राप्त होगा

कृतियों के अध्ययन-विश्लेषण से साहित्यिक समझ विकसित होगी

Unit 1

हिंदी गद्य : उद्भव और विकास

हिंदी गद्य – रूपों का संक्षिप्त परिचय (कहानी, निबंध, नाटक, रेखाचित्र/संस्मरण)

Unit 2

प्रेमचंद - दो बैलों की कथा

अमरकान्त - बहादुर

Unit 3

बालकृष्ण भट्ट – साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है

अध्यापक पूर्ण सिंह - सच्ची वीरता

रामवृक्ष बेनीपुरी - गेहूँ बनाम गुलाब

Unit 4

महादेवी वर्मा – घीसा

विष्णु प्रभाकर – वापसी

विश्वनाथ त्रिपाठी – गंगा स्नान करने चलोगे?

References

हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी

हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास –बच्चन सिंह

निबंधो की दुनिया – विजयदेव नारायण साहनी; निर्मला जैन /हरिमोहन शर्मा

छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

हिंदी रेखाचित्र – हरवंश लाल शर्मा

निबंधो की दुनिया – शिवपूजन सहाय ; निर्मला /अनिल राय

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

शिल्प, कथा, चरित्र, कथा-भाषा

Introduction

Content: आज विश्व विज्ञान और तकनीक की शक्ति से परिचित और संचालित है| भाषा का दायित्व ऐसे काल में और अधिक हो जाता है ताकि उसकी प्रशासन, ज्ञान विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में क्षमता प्रमाणित हो सके| बी.ए. प्रोग्राम प्रयोजनमूलक हिन्दी वर्तमान समय में हिन्दी को व्यावसायिक तथा प्रशासन की भाषा के रूप में स्थापित करने वाला पाठ्यक्रम है। यह पाठ्यक्रम विशेष रूप से विद्यार्थियों को बाजार, विज्ञापन, मीडिया के सभी रूपों इंटरनेट और जनसंपर्क तथा जनसंवाद में कौशल देने हेतु तैयार किया गया है । इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को रोजगार की नई संभावनाओं को उपलब्ध कराना है । विद्यार्थी हिन्दी भाषा के अध्ययन के माध्यम से रेडियो एवं प्रिंट पत्रकारिता, सिनेमा, अनुवाद एवं वेब-डिजाइनिंग जैसे विषयों के साथ जुड़कर इन क्षेत्रों में अभिव्यक्ति करने में सक्षम हो सकें तथा व्यावसायिक रूप से समर्थ बन सके, यही पाठ्यक्रम की शक्ति होगी |

Learning Outcome based approach to Curriculum Planning

>> Aims of Bachelor's degree programme in B.A. (Programme) Prayojanmoolak Hindi

Content: बी.ए. प्रयोजनमूलक हिन्दी का उद्देश्य विद्यार्थी को बाजार के अनुकूल भाषा की प्रयोजनीयता से परिचित कराना है| इस पाठ्यक्रम के उद्देश्य एवं परिणाम निम्न होंगे--

1. हिन्दी भाषा के विविध प्रयोजनमूलक पक्षों से परिचय जिससे शिक्षण एवम प्रशिक्षण के फलस्वरूप छात्र हिन्दी के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं से परिचित हो पाएँगे|

2. यह पाठ्यक्रम हिन्दी के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इसे पढ़कर विद्यार्थी मीडिया के सभी रूपों जैसे दृश्य-श्रव्य माध्यम यथा सिनेमा, टेलीविजन, रेडियो एवम प्रिंट पत्रकारिता में विभिन्न क्षेत्रों में लिखने तथा कार्यक्रम निर्माण में सक्षम हो सकेंगे|

3. अनुवाद एवं कम्प्यूटर पर हिन्दी का प्रयोग इस पाठयक्रम की मुख्य विशेषताएँ हैं।वेब डिजाईनिंग तथा इंटरनेट पर हिन्दी का प्रयोग भी यह पाठयक्रम सिखाता है । जनसंपर्क एवम विज्ञापन लेखन इसकी अन्य विशेषताएँ हैं।

4. छात्रों की कल्पनाशीलता एवं रचनात्मकता को यह पाठ्यक्रम नए आयाम देता है । खास तौर पर उन्मुक्त कल्पना तथा रचनात्मकता के साथ-साथ विशेष कार्यक्रमों के लिए कंटेन्ट लिखने का कौशल प्रदान करता है ।

Graduate Attributes in Subject

>> Disciplinary knowledge

Content: प्रयोजनमूलक हिन्दी द्वारा तकनीकी एवं कंप्यूटर ज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी , वाणिज्य आदि विषयों का अन्योन्याश्रित ज्ञान विकसित होगा

Graduate Attributes in Subject

>> Communication Skills

Content: पाठ्यक्रम के अध्ययन से लेखन कौशल व संवाद कौशल का विकास होगा |

Graduate Attributes in Subject

>> Critical thinking

Content: प्रयोजनमूलक हिन्दी के अध्ययन से विद्यार्थियों में विशेष आलोचनात्मक दृष्टि का विकास होगा |

Graduate Attributes in Subject

>> Problem solving

Content: प्रयोजनमूलक हिन्दी के अध्ययन से विद्यार्थियों में कार्यालयी एवं भाषायी समस्या हल करने की विशेष योग्यता विकसित होगी |

Graduate Attributes in Subject

>> Research-related skills

Content: प्रयोजनमूलक हिन्दी के अध्ययन से विद्यार्थियों में शोधपरक दृष्टि का विकास होगा |

Graduate Attributes in Subject

>> Reflective thinking

Content: प्रयोजनमूलक हिन्दी के अध्ययन से संवाद और लेखन क्षमता विकसित होगी |

Graduate Attributes in Subject

>> Information/digital literacy

Content: प्रयोजनमूलक हिन्दी के अध्ययन से तकनीकी व डिजिटल माध्यमों से विशेष परिचय प्राप्त होगा |

Graduate Attributes in Subject

>> Moral and ethical awareness/reasoning

Content: प्रयोजनमूलक हिन्दी के अध्ययन से व्यावहारिक नैतिकता व सत्यनिष्ठा जैसे विशेष मूल्य विद्यार्थियों में विकसित होंगे |

Graduate Attributes in Subject

>> Multicultural competence

Content: प्रयोजनमूलक हिन्दी के अध्ययन से विद्यार्थियों में बहु-सांस्कृतिक मूल्य व उसके साथ कार्य करने के विशेष गुण विकसित होंगे |

Qualification Description

Content: 10+2 या समकक्ष

Programme Learning Outcome in course

Content: 1.प्रशिक्षण के फलस्वरूप छात्र हिन्दी के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं से परिचित हो पाएँगे|

2. मीडिया के सभी रूपों जैसे दृश्य-श्रव्य माध्यम, सिनेमा, टेलीविजन, रेडियो एवं प्रिंट पत्रकारिता में विभिन्न क्षेत्रों में लिखने तथा कार्यक्रम निर्माण में सक्षम हो सकेंगे|

3. अनुवाद एवं कम्प्यूटर पर हिन्दी का प्रयोग इस पाठयक्रम की मुख्य विशेषताएँ हैं। वेब डिजाईनिंग तथा इंटरनेट पर हिन्दी का प्रयोग भी यह पाठ्यक्रम सिखाता है ।

4. जनसंपर्क एवं विज्ञापन लेखन की क्षमता विकसित होगी |

Teaching-Learning Process

Content: • सामूहिक चर्चा-परिचर्चा

• विज्ञापन का व्यावहारिक रूप से अध्ययन

• रेडियो एवं टेलीविज़न पर कार्यक्रम लेखन एवं प्रस्तुति की व्यावहारिक जानकारी

• प्रिंट मीडिया हेतु समाचार,फीचर तथा विविध स्तंभों के लिए लेखन का व्यावहारिक प्रशिक्षण

• कम्प्यूटर का व्यावहारिक प्रशिक्षण

• अनुवाद का व्यावहारिक प्रशिक्षण

• सेमिनार एवं कार्यशालाओं का आयोजन

• विविध संचार माध्यमों के कार्यालयों का शैक्षिक परिभ्रमण

• आशु प्रस्तुति

Assessment Methods

Content: मूल्याँकन के लिए निम्नांकित प्रविधियों का उपयोग किया जाएगा--

• लिखित परीक्षा

• परियोजना कार्य

• सर्वेक्षण

• कक्षा में किसी समाचार अंश को विश्लेषित करना

• समूह में किसी विषय पर चर्चा करना

• फीडबैक प्राप्त करना

• पीपीटी प्रेजेंटेशन करवाना

• हिंदी भाषा का अभ्यास करवाना

• हिंदी भाषा के व्यावहारिक मूल्यों पर आधारित परियोजना कार्य

• दिए गए पाठों का माध्यम के अनुसार रूपांतरण का अभ्यास

• विविध माध्यमों के लिए लेखन का अभ्यास

• विज्ञापन निर्माण की प्रक्रिया का अभ्यास

प्रयोजनमूलक हिंदी : अनुवाद और अनुवाचन (BAPPHCC03)Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

प्रयोजनमूलक हिन्दी की स्थिति का अध्ययन

अनुवाद और अनुवाचन से संबंधित सैद्धांतिक और व्यावहारिक क्षमता विकसित करना

Course Learning Outcomes

अनुवाद और अनुवाचन से संबंधित सैद्धांतिक और व्यावहारिक क्षमता विकसित होगी

रोजगारपरक अध्ययन का विकास

Unit 1

प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद का अंत:संबंध

प्रयोजनमूलक हिंदी की अवधारणा और क्षेत्र

अनुवाद की अवधारणा और क्षेत्र

प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद

Unit 2

अनुवाद : प्रविधि और प्रक्रिया

अनुवाद प्रक्रिया के चरण

अंग्रेजी-हिंदी व्यावहारिक अनुवाद : समस्या और सीमाएँ

अनुवाद के उपकरण एवं साधन

Unit 3

तत्काल भाषांतरण और अनुवाद

तत्काल भाषांतरण : अवधारणा, स्वरूप और महत्व

तत्काल भाषांतरण की प्रक्रिया एवं क्षेत्र

तत्काल भाषांतरण और अनुवाद में साम्य-वैषम्य

Unit 4

हिंदी के विविध क्षेत्र और व्यावहारिक अनुवाद

प्रशासनिक हिंदी और अनुवाद

शब्दावली, टिप्पणी, प्रयुक्ति, विभिन्न पत्र, पदनाम, अनुभाग नाम, संक्षिप्ताक्षर आदि के अनुवाद

बैंक, बीमा, वित्त और वाणिज्य क्षेत्र में अनुवाद

शब्दावली और अनुवाद

अनुच्छेदों, प्रयुक्तियों आदि के अनुवाद

विधि क्षेत्र में अनुवाद

विधि शब्दावली का अनुवाद

विधि सामग्री का अनुवाद

सामाजिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में अनुवाद

खान-पान की शब्दावली और अनुवाद

रिश्ते-नातों की शब्दावली और अनुवाद

पर्व-उत्सवों तथा संस्कारों आदि की भाषा और अनुवाद

मुहावरों-लोकोक्तियों के अनुवाद

संचार माध्यम और अनुवाद (प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का संदर्भ)

समाचार लेखन, वाचन और अनुवाद

विज्ञापन-निर्माण और अनुवाद प्रक्रिया

आँखों देखा हाल, उद् घोषणा और अनुवाद

मीडिया की अन्य सामग्री और अनुवाद

साहित्यिक अनुवाद

काव्यानुवाद

गद्यानुवाद

References

1. अनुवाद कला सिद्धांत और प्रयोग, कैलाशचन्द्र भाटिया

2. अनुवाद प्रक्रिया और स्वरूप, कैलाशचन्द्र भाटिया

3. अनुवाद विज्ञान और संप्रेषण, हरिमोहन

4. अनुवाद शास्त्र : व्यवहार से सिद्धांत की ओर, हेमचन्द्र पांडे

5. सर्जनात्मक साहित्य का अनुवाद, सुरेश सिंहल

Additional Resources:

अनुवाद प्रक्रिया, रीतारानी पालीवाल

अनुवाद सिद्धांत और समस्याएं, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

अनुवाद और रचना का उत्तर जीवन, रमण सिन्हा

भाषांतरण कला – एक परिचय, मधु धवन

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा और क्षेत्र अध्ययन

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

प्रयोजनमूलक हिन्दी संबंधी पारिभाषिक शब्दावली

हिंदी अनुप्रयोग : तकनीकी संसाधन एवं उपकरण (BAPPHCC04)Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

तकनीकी क्षेत्र का व्यावहारिक ज्ञान देना

कंप्यूटर, इंटरनेट और कोश आदि की क्षमता विकसित करना

Course Learning Outcomes

रोजगारपरक तकनीकी क्षेत्र जैसे कंप्यूटर, इंटरनेट और कोश विज्ञान आदि की क्षमता का व्यावहारिक ज्ञान विकसित होगा

Unit 1

(क) कम्प्यूटर परिचय

कम्प्यूटर की विकास यात्रा

कम्प्यूटर की कार्यप्रणाली

कम्प्यूटर के विभिन्न घटक

कम्प्यूटर की संरचना (हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की भूमिका)

(ख) भाषाई कम्प्यूटर

यूनीकोड पूर्व

यूनीकोड की वर्तमान स्थिति

भाषाई कम्प्यूटर का भविष्य

हिंदी लेखन, प्रकाशन व वेब प्रकाशन के आवश्यक औजार (वर्ड प्रोसेसिंग, डाटा प्रोसेसिंग, फॉण्ट प्रबंधन, विविध तकनीक)

Unit 2

इंटरनेट का इतिहास और बदलता स्वरूप

इंटरनेट के बौद्धिक, निजी, सामुदायिक समूहों का परिचय

हिंदी विकीपीडिया का इस्तेमाल और उसकी विकास प्रक्रिया का अध्ययन

एनकोडिंग, फ़ाइल शेयरिंग, फ़ाइल कन्वर्जन

साइबर क्राइम, क़ानून तथा आचार-संहिताएँ

Unit 3

प्रायोगिक कार्य और इंटरनेट

एम. एस. ऑफिस का अध्ययन (हिंदी के विभिन्न कुंजीपटलों के संदर्भ में)

हिंदी में एक्सल शीट, पावर प्वॉइंट का निर्माण तथा पेज मेकर में कार्य

ब्लॉग – प्रकाशन, अपलोडिंग, डाउनलोडिंग, इंटरनेट पर सामग्री-सृजन, यू-ट्यूब

विभिन्न कम्प्यूटर मशीनों पर कार्य

Unit 4

कोश

कोश : प्रयोजन तथा महत्व

कोश प्रयोग विधि

कोश के प्रकार – सामान्य कोश, विश्वकोश, समान्तर कोश, मुहावरा लोकोक्ति कोश, तकनीकी कोश आदि

References

1. कम्प्यूटर एक परिचय, सं. संतोष चौबे
2. एम एस ऑफिस – विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार

Additional Resources:

कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, विजय कुमार मल्होत्रा इंटरनेट का संक्षिप्त इतिहास, ब्रूस स्टर्लिंग

कम्प्यूटर और हिंदी, हरिमोहन

समान्तर कोश, अरविन्द कुमार

तकनीकी सुलझनें, बालेन्दु शर्मा दधीच

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट असाइनमेंट

Keywords

प्रयोजनमूलक हिन्दी संबंधी पारिभाषिक शब्दावली

हिंदी भाषा : अनुप्रयोग के क्षेत्र (BAPPHCC01)Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य भाषा के विविध व्यावहारिक एवं प्रायोगिक पक्षों को ध्यान में रखते हुए भाषा के व्यावहारिक तथ्यों से अवगत करने हेतु छात्रों को रोजगारपरक उपभोक्ता बाजार की पहचान एवं कार्यान्वयन करना ही मुख्य उद्देश्य रहा है । बाज़ार और व्यवसाय ने देशों की सीमाएं लांघ दी हैं । अतः ऐसे में भाषा का मजबूत होना आवश्यक है । सशक्त भाषा के बिना किसी राष्ट्र की उन्नति संभव नहीं है । बाज़ारवाद में भाषा की पकड़ रखने वाले कर्मियों की नितांत आवश्यकता है इसीलिए राजभाषा, मानक भाषा, विधि क्षेत्र में, विज्ञापन में, खेलकूद आदि विभिन्न क्षेत्रों में हिंदी के उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए यह पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है । इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को सैद्दांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान देना रहा है ।

Course Learning Outcomes

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने- पढ़ाने की दिशा में निम्नलिखित परिणाम सामने आएंगे :-

1. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में हिंदी भाषा व्यावहारिक एवं व्यवसाय के अनुरूप रूपों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकेगी ।
2. भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ साथ व्यावहारिक पक्ष को भी जाना जा सकेगा ।
3. उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी भाषा किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, इससे संबंधित परिणाम को प्राप्त किया जा सकेगा ।
4. छात्र अपनी भाषा को सीखने की प्रक्रिया में भाषागत मूल्यों को व्यावहारिक रूप से भी जान सकेंगे ।
5. आज शिक्षा का व्यवसाय से भी संबंध है । अनेक चुनौतियों का सामना सशक्त भाषा के माध्यम से ही किया जा सकता है । यह पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के अनुकूल स्थापित हो सकेगा ।

Unit 1

1. भाषा के विविध आयाम

- सामान्य भाषा –सम्प्रेषणमूलकता, भाषिक रूपों की विविधता, अर्थ की एकरूपता लक्षणा और व्यंजना का रूढ़ प्रयोग
- रचनात्मक भाषा – अनुभूति की प्रधानता, अर्थ की विशिष्टता एवं विविधता, भाषा शैली की विविधता, सर्जनात्मक प्रयोग
- सीमित कोड, विस्तृत कोड की अवधारणा
- प्रयोजनमूलक भाषा – मानक भाषा की अवधारणा, अर्थ की सुनिश्चितता, सम्प्रेषणमूलकता, पारिभाषिक शब्दावली का प्रयोग

Unit 2

2. प्रयोजनमूलक हिंदी के क्षेत्र : (क) राजभाषा के रूप में हिंदी

- राजभाषा का अर्थ एवं महत्व
- प्रशासनिक भाषा का स्वरुप
- विधि क्षेत्र में हिंदी
- पारिभाषिक शब्दावली – हिंदी की प्रकृति और पारिभाषिक शब्द की निर्माण – प्रक्रिया

Unit 3

3. प्रयोजनमूलक हिंदी के क्षेत्र (ख) व्यावसायिक क्षेत्र में हिंदी

- व्यावसायिक क्षेत्र की भाषा – बैंक, बीमा, मीडिया
- विज्ञापन एवं बाज़ार की हिंदी
- प्रस्तुति - कलाओं में हिंदी
- खेलकूद में हिंदी

Unit 4

4. प्रयोजनमूलक हिंदी के क्षेत्र (ग) शिक्षा तथा विज्ञान के क्षेत्र में हिंदी

- शिक्षा - माध्यम के रूप में हिंदी
- वैज्ञानिक क्षेत्र में हिंदी
- मानविकी - अध्यापन में हिंदी का प्रयोग
- वाणिज्य - अध्यापन में हिंदी का प्रयोग

References

1. भाषा स्वरुप और संरचना – हेमचंद्र
2. मानक हिंदी : संरचना एवं प्रयोग – रामप्रकाश
3. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत एवं प्रयोग – दंगल झाल्टे

Additional Resources:

1. व्यावहारिक राजभाषा कोश – दिनेश चमोला
2. प्रयोजनमूलक हिंदी – रघुनन्दन प्रसाद शर्मा

Teaching Learning Process

पाठ्यक्रम को ठीक प्रकार से संचालित करने हेतु सिद्धांत के अतिरिक्त 'व्यावहारिकता' पर अधिक बल देना चाहिए । पी.पी.टी (power point presentation) तथा दृश्य –श्रव्य माध्यम इत्यादि के द्वारा प्रभावी बनाया जा सकता है । सीखने की प्रक्रिया में इस पाठ्यक्रम में हिंदी भाषा दक्षता को मजबूती देना है । छात्र हिंदी भाषा में नयापन और वैश्विक माध्यम की निर्माण प्रक्रिया में सहायक बन सकें । अपनी भाषा में व्यवहार कुशलता एवं निपुणता प्राप्त कर सकें । प्रस्तुत पाठ्यक्रम को निम्नांकित सप्ताहों में विभाजित किया जा सकता है -

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

'सम्प्रेषण', 'व्यावहारिक' 'प्रयोजन', 'राजभाषा', 'प्रशासनिक', 'पारिभाषिक', 'शब्दावली', 'आयाम'

हिंदी भाषा : कार्यालयी लेखन (BAPPHCC02)Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

कार्यालयी हिन्दी भाषा का व्यावहारिक ज्ञान विकसित करना

कार्यालयी आवश्यकताओं और व्यावहारिक शब्दावली से परिचित कराना

Course Learning Outcomes

कार्यालयी हिन्दी का व्यावहारिक ज्ञान होगा

कार्यालय के कंटेन्ट और शब्दावली से परिचय होगा

Unit 1

कार्यालयी भाषा : सामान्य परिचय

कार्यालय : अवधारणा एवं परिचय

कार्यालयी कार्य पद्धति

कार्यालयी भाषा : परिभाषा, अवधारणा और संरचना

कार्यालयी भाषा की विशेषताएं

कार्यालय की आचार-संहिता

Unit 2

कार्यालयी पत्र

आधुनिक युग में कार्यालयी पत्र का स्वरूप और महत्व

कार्यालयी पत्रों की प्रमुख विशेषताएं, कार्यालयी पत्र के प्रकार

कार्यालय में प्राप्त पत्रों का अध्ययन, टिप्पण और सुझाव

पत्रोत्तर और नए पत्रों का लेखन (प्रारूपण)

Unit 3

कार्यालयी पत्रों की लेखन-विधि

सरकारी पत्रों के प्रमुख अंग

कार्यालयी पत्र-लेखन के विभिन्न चरण

प्रारूपण, टिप्पण

प्रेस-विज्ञप्ति, कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश, प्रतिवेदन-लेखन

अन्य कार्य – नोटशीट, फाईलिंग आदि

Unit 4

कार्यालयी प्रयुक्तियाँ : अवधारणा एवं महत्व

विशिष्ट कार्यालयी शब्दावली : 100 (अंग्रेजी-हिंदी)

विशिष्ट कार्यालयी शब्दावली : 100 (हिंदी-अंग्रेजी)

References

1. प्रारूपण शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन विधि, राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव

2. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी, कृष्ण कुमार गोस्वामी

Additional Resources:

सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग, गोपीनाथ श्रीवास्तव

विशिष्ट पत्र-लेखन, रूपचंद्र गौतम

कार्यालयी हिंदी, हरिबाबू कंसल

आजीविका साधक हिंदी, पूरनचंद टंडन

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

कार्यालयी शब्दावली

मनोरंजन उद्योग और हिंदी (BAPPHDSE01)Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

मनोरंजन-उद्योग की स्थिति का अध्ययन : क्षेत्र और विस्तार

सिनेमा और हिंदी गीत, धारावाहिकों और रियल्टी-शो में प्रयुक्त हिंदी

Course Learning Outcomes

भारतीय मनोरंजन-उद्योग की स्थिति का अध्ययन

हिन्दी सिनेमा और हिंदी गीतों की समझ

धारावाहिकों और रियल्टी-शो में प्रयुक्त हिंदी की स्थिति को जानना

Unit 1

1. मनोरंजन की भाषा के रूप में हिंदी

मनोरंजन की अवधारणा और स्वरूप

मनोरंजन और भाषा की संप्रेषणीयता

मनोरंजन की भाषा और विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं का सम्मिश्रण

Unit 2

2. रेडियो और हिंदी भाषा

एफ. एम. चैनलों की हिंदी

आकाशवाणी के अन्य चैनलों की हिंदी

रेडियो समाचारों की भाषा

रेडियो के अन्य कार्यक्रमों में प्रयुक्त हिंदी

Unit 3

3. इंटरनेट और हिंदी भाषा

एस. एम. एस. की हिंदी

यू-ट्यूब और हिंदी

ट्विटर की हिंदी – वाट्सअप की हिंदी

ब्लॉग और फेसबुक में प्रयुक्त हिंदी

Unit 4

4. मनोरंजन-उद्योग में हिंदी-प्रयोग

मनोरंजन-उद्योग के विभिन्न क्षेत्र और विस्तार

सिनेमा और हिंदी

ऐतिहासिक-पौराणिक, सामाजिक धारावाहिकों और रियल्टी-शो में प्रयुक्त हिंदी

फ़िल्मी गीतों की हिंदी (रोमांटिक, देशभक्ति, समूह-गीत और आइटम गीत)

References

उत्तर-आधुनिक मीडिया तकनीक, हर्षदेव

नयी संचार प्रौद्योगिकी पत्रकारिता, कृष्ण कुमार रत्तू

Additional Resources:

पटकथा कैसे लिखें, राजेन्द्र पांडे

मीडिया समग्र-खण्ड, प्रो. जगदीश्वर चतुर्वेदी

हिंदी सिनेमा का सफरनामा, जय सिंह

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक परिचर्चा, फिल्म आदि विधाओं का प्रदर्शन

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

मनोरंजन जगत की शब्दावली

विज्ञान, तकनीक, प्रौद्योगिकी और हिंदी (BAPPHDSE04)Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

प्रत्येक भाषा की अपनी एक वैज्ञानिकता होती है. हिंदी भाषा भी इससे अछूती नहीं. लेकिन हिंदी को भाषा वैज्ञानिक दृष्टि से समृद्ध बनाने और इसे रोजगारपरक बनाने के लिए इसे सूचना-प्रौद्योगिकी और आज की तकनीक से जोड़ना आवश्यक है. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य हिंदी भाषा को इसी वैज्ञानिकता से जोड़ने और उसे बाजार की भाषा बनाने से है. जिससे इसको पढ़ने - लिखने वाले छात्र इसकी तकनीक को समझकर इसे समयोपयोगी बना सके.

Course Learning Outcomes

इसको पढ़ने के बाद छात्र को सूचना -प्रौद्योगिकी की भाषा का ज्ञान हो सकेगा । तकनीक के क्षेत्र में प्रयुक्त शब्दावली का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हो सकेगा ।

Unit 1

1. एक भाषा के रूप में हिंदी.

2. हिंदी भाषा का वैज्ञानिक अध्ययन.

3. सूचना-प्रौद्योगिकी और हिंदी.

4. तकनीक में हिंदी का उपयोग.

5. हिंदी भाषा के विभिन्न वैज्ञानिक उपकरण.

Unit 2

1. विज्ञान की भाषा और हिंदी.

2. तकनीक की भाषा और हिंदी.

3. सूचना-प्रौद्योगिकी और हिंदी.

4. सोशल मीडिया के विभिन्न उपकरण.

5. सोशल मीडिया में हिंदी.

Unit 3

1. भाषा का बृहत्तर उपयोग.- फेसबुक से लेकर ट्विटर तक.

2. टेलीविजन की भाषा.

3. एफ. एम. रेडियो की हिंगलिश भाषा.

4. हिंदी का अँग्रेजी के साथ मिश्रण.

5. आज की हिंदी

References

1. प्रायोगिक हिंदी- संपादक- प्रो. रमेश गौतम, ओरियंट ब्लैकस्वान, प्रकाशन, दिल्ली.

2 प्रयोजनमूलक हिन्दी: सिद्धान्त और प्रयोग- दंगल झाल्टे

Additional Resources:

राजभाषा शब्दकोश- हरदेव बाहरी

भाषा और प्रौद्योगिकी - डॉ॰ विनोद कुमार प्रसाद

Teaching Learning Process

60 प्रतिशत सैध्यान्तिकी और 40 प्रतिशत प्रायोगिक. उदाहरण के लिए ब्लाग बनाना, सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर लिखना, ऑनलाइन कंटेंट लिखना, वेबसाइट पेज बनाना, अपना हिंदी का यू.आर.एल. सृजित करना आदि.

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

विज्ञान, तकनीक, प्रौद्योगिकी, भाषा, समाज

सृजनात्मक लेखन : सिद्धान्त और व्यवहार (BAPPHDSE03)Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

1. विद्यार्थियों को सृजनात्मक लेखन के विस्तृत क्षेत्र से परिचित कराना
2. सृजनात्मक भाषा के स्वरूप और विशेषताओं का बोध कराना
3. साहित्यिक एवं व्यावसायिक लेखन का अभ्यास कराना

Course Learning Outcomes

1. सृजनात्मक लेखन की पूरी प्रक्रिया को समझना
2. सृजनात्मक लेखन के विविध रूपों से परिचित होना
3. सृजनात्मक लेखन की दृष्टि से भाषा-दक्षता
4. बाज़ार की माँग के अनुसार लेखन कार्य के लिए तैयार होना

Unit 1

सृजनात्मक लेखन : सामान्य परिचय

· सृजनात्मक लेखन : अर्थ, स्वरुप और महत्व

· सृजनात्मक लेखन के उद्देश्य

· सृजनात्मक लेखन के प्रमुख प्रकार : साहित्यिक एवं व्यावसायिक

Unit 2

सृजनात्मक लेखन की प्रक्रिया

· विषय बोध

· गवेषणा (रिसर्च)

· सृजन की विविध विधाएँ

· उद्देश्य के अनुसार विधा का निश्चय

Unit 3

भाषिक योग्यता का विकास

· भाषा की सृजनात्मकता

· सृजनात्मक भाषा के विविध पक्ष: शब्द शक्तियाँ, अलंकरण, सादृश्य-विधान, मानवीकरण, मुहावरे, लोकोक्तियाँ, भाषिक कोड, कोड मिश्रण आदि

· साहित्यिक लेखन के लिए भाषा की विशेषताएँ

· व्यावसायिक लेखन के लिए भाषा की विशेषताएँ

Unit 4

सृजनात्मक लेखन : अभ्यास

· साहित्यिक लेखन : कविता, कहानी, विधागत अंतरण (जैसे-कथा से संवाद)

· मीडिया लेखन : फिल्म एवं पुस्तक समीक्षाएँ, विज्ञापन, लेख, फ़ीचर, सम्पादकीय

· इन्टरनेट के लिए लेखन : ब्लॉग एवं वेबसाइट

References

1. रचनात्मक लेखन, सं. रमेश गौतम

2. रचनात्मक लेखन, हरीश अरोड़ा, अनिल कुमार सिंह

3. संचार भाषा हिंदी, सूर्य प्रसाद दीक्षित

Additional Resources:

बदलता समाज मनोविज्ञान और हिंदी, पूरनचंद टंडन, सुनील तिवारी

वर्तमान संदर्भ में हिंदी, मुकेश अग्रवाल

Teaching Learning Process

· कक्षाओं में पठन-पाठन पद्धति

· परिचर्चाएँ

· समूह में प्रोजेक्ट प्रस्तुति

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

पारिभाषिक शब्दावली

हिंदी के विविध रूप (BAPPHDSE02)Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

1. हिन्दी भाषा के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप की जानकारी के साथ-साथ प्रशासन, मीडिया, साहित्य और सूचना के क्षेत्रों में प्रयुक्त हिन्दी के विविध रूपों को समझने का अवसर मिलता है|
2. सूचना प्रौद्योगिकी के युग में हिन्दी भाषा की वैश्विक उपस्थिति और शिक्षण

Course Learning Outcomes

- हिन्दी भाषा के क्षेत्र विस्तार, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्थिति की जानकारी होगी
- राजभाषा, राष्ट्रभाषा की अवधारणा और हिन्दी में रोजगार के विकल्पों की जानकारी होगी

Unit 1

1. हिंदी का क्षेत्रगत विस्तार

- भाषा के रूप में हिंदी का विकास और उसके विविध अनुप्रयोग
- साहित्य एवं संचार की भाषा के रूप में हिंदी का विस्तार
- प्रशासनिक भाषा एवं राजभाषा के रूप में हिंदी
- हिंदी और हिंदी इतर भाषा-भाषी क्षेत्रों में हिंदी का स्वरूप

Unit 2

2. हिंदी इतर भाषा-भाषी क्षेत्रों में हिंदी का स्वरूप

- स्वाधीनता आन्दोलन के दौर में हिंदी इतर भाषा-भाषी क्षेत्रों में हिंदी
- हिंदी इतर क्षेत्रों में हिंदी के अनुप्रयोग
- भूमंडलीकरण, हिंदी इतर क्षेत्र और हिंदी भाषा
- रोजगार की स्थितियों, हिंदी इतर क्षेत्र और हिंदी भाषा

Unit 3

3. हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी

- हिंदी का जनपदीय और राष्ट्रीय सन्दर्भ
- हिंदी और क्षेत्रीय बोलियों का अन्तस्संबंध

- राष्ट्रभाषा एवं संपर्क भाषा के रूप में हिंदी
- साहित्य, संचार एवं मनोरंजन के क्षेत्र में हिंदी

Unit 4

4. हिंदी का अन्तरराष्ट्रीय सन्दर्भ

- हिंदी का वैश्विक विस्तार
- अंतर्राष्ट्रीय हिंदी साहित्य का परिचय
- अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी शिक्षण
- वैश्विक स्तर पर प्रकाशित हिंदी की प्रमुख ई-पत्र-पत्रिकाएँ

References

1. हिंदी का विकास और स्वरूप, भाटिया कैलाशचंद्र
2. हिंदी और उसकी उपभाषाएँ, वर्मा विमलेशकांति
3. भाषा और समाज, शर्मा रामविलास
4. भाषाई अस्मिता और हिंदी, श्रीवास्तव रवीन्द्रनाथ
5. हिंदी भाषा, तिवारी भोलानाथ

Additional Resources:

1. भाषा पत्रिका
2. गवेषणा पत्रिका
3. केन्द्रीय हिन्दी संस्थान

Teaching Learning Process

सामूहिक चर्चा एवं व्याख्यान

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

- विकास
- अनुप्रयोग
- साहित्य
- संचार
- प्रशासनिक
- राजभाषा
- भाषा-भाषी

पारिभाषिक शब्दावली एवं कोश विज्ञान (BAPPHSEC04)Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

पारिभाषिक शब्दावली एवं कोश विज्ञान का परिचय

निर्माण प्रसार और प्रयोग का व्यावहारिक ज्ञान देना

Course Learning Outcomes

पारिभाषिक शब्दावली एवं कोश विज्ञान का परिचय, **निर्माण, प्रसार और प्रयोग का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा**

Unit 1

1. पारिभाषिक शब्दावली

स्वरूप, अवधारणा एवं विशेषताएँ

वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग का परिचय

विभिन्न क्षेत्र – मानविकी, वाणिज्य, विधि, विज्ञान आदि

अनुप्रयोग की उपादेयता

Unit 2

2. पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के संप्रदाय एवं सिद्धांत

पारिभाषिक शब्दावली का इतिहास

पारिभाषिक शब्दावली की निर्माण-प्रक्रिया

पारिभाषिक शब्दावली की एकरूपता

पारिभाषिक शब्दावली के उपयोग की प्रविधि

Unit 3

3. कोश : अवधारणा एवं प्रकार

अभिप्राय और परिभाषा

उपयोगिता और महत्व

कोश : वर्गीकरण के आधार

भाषाकोश और भाषेतर कोश

Unit 4

4. कोश निर्माण की प्रक्रिया

शब्द संकलन एवं चयन, वर्तनीक्रम

व्याकरणिक कोटि और स्रोत

प्रविष्टि के आधार

शब्द का अर्थ, प्रयोग एवं विस्तार

References

कोश विज्ञान, भोलानाथ तिवारी

हिंदी कोश रचना: प्रकार और रूप, रामचंद्र वर्मा

हिंदी शब्द सागर, नागरी प्रचारिणी सभा, प्रयाग

Additional Resources:

कोश विज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग, रामआधार सिंह

कोश निर्माण : प्रविधि एवं प्रयोग, त्रिभुवननाथ शुक्ल

पारिभाषिक शब्दावली की विकासयात्रा, गार्गी गुप्त

'अनुवाद' त्रैमासिक (कोश विशेषांक) अंक – 94-95

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

कोशविज्ञान व अन्य पारिभाषिक शब्दावली

लेखन कौशल : विस्तार एवं संभावनाएं (BAPPHSEC01)Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम में हिंदी भाषा संबंधी व्यावहारिक जानकारी देना अत्यंत आवश्यक है । पूरी दुनिया ने वैश्वीकरण के युग में प्रवेश कर लिया है । बाज़ार और व्यवसाय ने देशों की सीमाएं लांघ दी हैं । अतः ऐसे में भाषा का मजबूत होना आवश्यक है । यह पाठ्यक्रम बाज़ारवाद और भूमंडलीकरण की वैश्विक गति के बीच से ही हिंदी भाषा और कंप्यूटर के माध्यम से ही राष्ट्रीय प्रगति को भी सुनिश्चित करेगा। क्योंकि सशक्त भाषा के बिना किसी राष्ट्र की उन्नति संभव नहीं है । यह पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के अनुकूल है । साथ ही इस पाठ्यक्रम का आधुनिक रूप रोजगारपरक भी है । कंप्यूटर एवं अन्य साधनों को हिंदी से जोड़ना विद्यार्थियों को व्यावहारिक पहलू से अवगत करा सकेगा ।

Course Learning Outcomes

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने- पढ़ाने की दिशा में निम्नलिखित परिणाम सामने आएंगे :-

- विद्यार्थी हिंदी को व्यावहारिक रूप से सीख कर आत्मविश्वास से पूर्ण अनुभव करेगा ।
- हिंदी भाषा में इंटरनेट और वेबसाइट्स का प्रयोग कर सकेगा ।
- उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी भाषा किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, इससे संबंधित परिणाम को प्राप्त किया जा सकेगा ।
- राजभाषा के रूप में हिंदी की प्रगति को सुनिश्चित किया जा सकेगा
- भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ साथ व्यावहारिक पक्ष को भी जाना जा सकेगा ।
- आज शिक्षा का व्यवसाय से भी संबंध है । अनेक चुनौतियों का सामना सशक्त भाषा के माध्यम से ही किया जा सकता है । यह पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के अनुकूल स्थापित हो सकेगा ।
- छात्र अपनी भाषा को सीखने की प्रक्रिया में भाषागत मूल्यों को व्यावहारिक रूप से भी जान सकेंगे ।

Unit 1

1. लेखन कौशल के आयाम

- लेखन कौशल : व्यवहार के विभिन्न क्षेत्र – प्रेस, रेडियो, टेलीविजन एवं मल्टी मीडिया
- प्रूफ रीडिंग एवं सम्पादन – समाचार फीचर सम्पादकीय, वार्ता, स्तम्भ एवं साक्षात्कार में प्रूफ रीडिंग एवं सम्पादन
- रेडियो एवं टेलीविजन – उच्चारण की शुद्धता, वॉईस मॉड्युलेशन, वाचन प्रक्रिया, रेडियो के लिए समाचार, वार्ता, रेडियो रूपक आदि, टेलीविज़न के लिए समाचार वाचन कार्यक्रम संयोजन
- मल्टी मीडिया में हिंदी भाषिक अनुप्रयोग मोबाइल, वीडियो गेम, टैबलेट, आईपैड, ई-बुक रीडर

Unit 2

2. लेखन कौशल के सर्जनात्मक रूप

- कविता, कहानी, रिपोर्ताज एवं संवाद
- व्यावसायिक लेखन, भाषण, गीत, स्लोगन, होर्डिंग्स, विज्ञापन
- बच्चों के लिए मनोरंजनपरक, साहित्यिक लेखन और खेल संबंधी लेखन
- विज्ञापन कथा और यात्रा साहित्य लेखन की प्रक्रिया

Unit 3

3. लेखन कौशल के आधार – अनुकूल परिस्थितियाँ, विषय का ज्ञान

- •लेखन कौशल प्रक्रिया –विषय वस्तु का चयन
- ज्ञान एवं अनुभव के आधार पर लेखन
- विज्ञापन कथा और यात्रा साहित्य और यात्रा साहित्य का निर्माण और लेखन कार्य
- लेखन कार्य का प्रूफ – शोधन एवं सम्पादन

Unit 4

4. अंतिम प्रारूप मूल्यांकन

- लेखन संबंधी व्यावहारिक कार्य
- कविता लेखन, कहानी लेखन
- विज्ञापन लेखन, स्लोगन लेखन
- साक्षात्कार की तैयारी

References

1. रचनात्मक लेखन – संपा. रमेश गौतम
2. हिंदी प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद – डॉ. पूरनचंद टंडन
3. टेलीविजन लेखन – असगर वजाहत और प्रभात रंजन

Additional Resources:

1. टेलीविजन की भाषा – हरीशचंद्र बर्णवाल
2. हिंदी भाषा – हरदेव बाहरी

Teaching Learning Process

सीखने की प्रक्रिया में इस पाठ्यक्रम में हिंदी भाषा दक्षता को मजबूती देना है । छात्र हिंदी भाषा में नयापन और वैश्विक माध्यम की निर्माण प्रक्रिया में सहायक बन सकें । अपनी भाषा में व्यवहार कुशलता एवं निपुणता प्राप्त कर सकें ।प्रस्तुत पाठ्यक्रम को निम्नांकित सप्ताहों में विभाजित किया जा सकता है -

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

लेखन कौशल, मल्टी मीडिया, प्रूफ रीडिंग, सम्पादन, वॉईस मॉड्युलेशन, वाचन प्रक्रिया, वार्ता, रेडियो रूपक, टैबलेट, आईपैड, ई-बुक रीडर , रिपोर्ताज

वेब पत्रकारिता (BAPPHSEC02)Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

हिन्दी की वेब पत्रकारिता की समझ

नए क्षेत्रों में कार्य की क्षमता

वेब कंटेंट लेखन

Course Learning Outcomes

हिन्दी वेब पत्रकारिता की स्थिति और आवश्यकताओं को समझना

नए अवसरों और चुनौतियों को जानना

Unit 1

वेब पत्रकारिता : परिचय

इंटरनेट पत्रकारिता और भारतीय समाज

वेब पत्रकारिता – परिभाषा, इतिहास, संचार माध्यम के रूप में वेब पत्रकारिता

न्यू मीडिया के रूप में वेब पत्रकारिता – उपयोगिता, शक्ति एवं सीमाएँ

भूमंडलीकृत संचार-क्रान्ति और हिंदी पत्रकारिता

Unit 2

वेब पत्रकारिता : अंतर्वस्तु निर्माण

वेब पत्रकारिता सामग्री का एकत्रीकरण

वेब कंटेंट लेखन–प्रक्रिया (विषय एवं भाषा)

वेब समाचार निर्माण एवं सम्पादन

वेब कंटेंट का ले-आउट, डिज़ाइन एवं प्रस्तुति

Unit 3

हिंदी पत्रकारिता के प्रमुख वेब पोर्टल : एक परिचय

प्रमुख हिंदी पत्र-पत्रिकाएँ और उनके वेब पोर्टल

सोशल मीडिया के रूप में वेब पत्रकारिता

ब्लॉग लेखन : फेसबुक, ट्विटर और विविध पत्रिकाएँ

सोशल मीडिया का प्रभाव

Unit 4

वेब पत्रकारिता : व्यावहारिक कार्य

किसी एक हिंदी अखबार के वेब पोर्टल की भाषा का अध्ययन

किसी एक ऑनलाइन समाचार की केस स्टडी

किन्हीं दो प्रमुख हिंदी वेब पोर्टलों की विषय-वस्तु का तुलनात्मक विश्लेषण

किसी प्रमुख ऑनलाइन पत्रिका के सामाजिक प्रभाव का सर्वेक्षण एवं उसका विश्लेषण

References

1. डिजिटल ब्रॉडकास्टिंग जर्नलिज्म, जितेन्द्र शर्मा

2. Communication, Technology and development, I.P. Tiwari

Additional Resources:

Net Media and Communication, Jagdish Chakrawarty

Internet Journalism in India, Om Gupta

Mass Media and Information Technology, J.K. Singh

Teaching Learning Process

सामूहिक चर्चा, वेब अध्ययन, लेब और व्याख्यान

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

वेब जगत की शब्दावली

हिंदी शिक्षण (BAPPHSEC03)Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

- हिंदी भाषा शिक्षण की प्रकृति, आवश्यकता और उसके सामाजिक एवं राष्ट्रीय महत्व को बताना व सामान्य और विशिष्ट प्रयोजन के लिए भाषा शिक्षण की भूमिका निर्धारित करना ।
- हिंदी भाषा शिक्षण की विविध विधियों को व्याख्यायित करना एवं चुनौतियों को बताना ।
- हिंदी गद्य और पद्य शिक्षण के संबंध में विद्यार्थियों को जानकारी प्रदान करना ।
- भाषा शिक्षण के परीक्षण और मूल्यांकन के महत्व विद्यार्थियों को बताना ।

- हिंदी कौशल से सम्बंधित विद्यार्थियों को जानकारी उपलब्ध कराना जिससे विद्यार्थी हिंदी भाषा के चारों कौशलों की जानकारी प्राप्त कर सकें ।

Course Learning Outcomes

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने- पढ़ाने की दिशा में निम्नलिखित परिणाम सामने आएंगे :-

1. विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम द्वारा भाषा का की सामाजिक भूमिका को समझ सकेगा तथा भारत राष्ट्र में हिंदी भाषा के महत्व को जान सकेगा ।
2. विद्यार्थी प्रथम भाषा, मातृभाषा तथा अन्य भाषाओं के महत्व को भी जान सकेंगे जिसके द्वारा उनमें राष्ट्र के प्रति आस्था उत्पन्न होगी ।
3. किसी भी भाषा के ज्ञान हेतु श्रवण, भाषण, वाचन, लेखन इन चारों कौशलों का सामान्य ज्ञान होना अति आवश्यक है । इस पाठ्यक्रम द्वारा विद्यार्थी हिंदी शिक्षण के इन चारों कौशलों का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे ।
4. विद्यार्थी हिंदी साहित्य के गद्य और पद्य पक्ष के महत्व को समझ सकेंगे जिसके परिणामस्वरुप उनमें हिंदी साहित्य लेखन एवं पठन के प्रति रूचि विकसित हो सकेगी ।
5. भाषा परीक्षण और मूल्यांकन द्वारा भाषा के व्यावहारिक पहलू को देखा जा सकेगा ।

Unit 1

1. भाषा शिक्षण की अवधारणा

- भाषा शिक्षण : अभिप्राय तथा उद्देश्य
- हिंदी शिक्षण का राष्ट्रीय, सामाजिक और भाषिक सन्दर्भ
- प्रथम भाषा, मातृभाषा तथा अन्य भाषा (द्वितीय एवं विदेशी) की संकल्पना
- सामान्य और विशिष्ट प्रयोजन के लिए भाषा शिक्षण

Unit 2

2. हिंदी भाषा शिक्षण

- हिंदी की भाषिक संरचना की समझ
- व्याकरण, शब्द, वाक्य, अर्थ
- लेखन, वार्तालाप, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण, प्रारूपण, अपठित गद्यांश
- हिंदी भाषायी कौशल (श्रवण, भाषण, वाचन, लेखन)

Unit 3

3. हिंदी साहित्य शिक्षण

- साहित्य शिक्षण की विधि
- साहित्य शिक्षण की चुनौतियां और पाठ
- पद्य शिक्षण
- गद्य शिक्षण

Unit 4

4. भाषा – परीक्षण और मूल्यांकन

- भाषा परीक्षण की संकल्पना
- भाषा – मूल्यांकन की संकल्पना
- भाषा परीक्षा के विविध प्रकार
- मूल्यांकन के प्रकार

References

1. भाषा शिक्षण- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
2. अन्य भाषा –शिक्षण के कुछ पक्ष – संपा. अमर बहादुर सिंह
3. भाषा – शिक्षण- भोलानाथ तिवारी

4. भाषा : स्वरुप और संरचना- हेमचंद पांडे

Additional Resources:

1. अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान – संपा. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, भोलानाथ तिवारी, कृष्ण कुमार गोस्वामी
2. हिंदी भाषा की रूप संरचना – भोलानाथ तिवारी
3. हिंदी : शब्द-अर्थ-प्रयोग – हरदेव बाहरी
4. भाषा –शिक्षण –लक्ष्मीनारायण शर्मा

Teaching Learning Process

कौशल संवर्द्धक पाठ्यक्रम (Skill Enhancement Course) को ठीक प्रकार से संचालित करने हेतु 'सिद्धांत पक्ष' के साथ-साथ 'प्रायोगिक पक्ष' पर भी ध्यान देना आवश्यक है । पी.पी.टी (power point presentation) तथा दृश्य-श्रव्यसंबंधी इत्यादि साधनों के द्वारा पाठ्यक्रम को प्रभावी बनाया जा सकता है जिसके माध्यम से विद्यार्थी हिंदी भाषा के शिक्षण में व्यवहार कुशलता एवं निपुणता अर्जित कर सकें । प्रस्तुत पाठ्यक्रम को निम्नांकित सप्ताहों में विभाजित किया जा सकता है -

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

'शिक्षण', 'अवधारणा', 'अनुप्रयुक्त', 'कौशल', 'स्वरुप', 'परीक्षण', 'मूल्यांकन', 'प्रारूपण', 'टिप्पण', 'संकल्पना', 'संक्षेपण', 'प्रयोजन', 'पल्लवन', 'प्रारूपण',

कम्प्यूटर और हिंदी (BAPPHGE01)Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिन्दी में कंप्यूटर पर काम करने की क्षमता विकसित करना

विभिन्न समस्याओं संभावनाओं से परिचित कराना

Course Learning Outcomes

कंप्यूटर पर हिन्दी से संबन्धित रोजगार के लिए तैयार होना

व्यावहारिक ज्ञान होना

Unit 1

1. भाषा और प्रौद्योगिकी : एक अंतर्संबंध

कम्प्यूटर और भारतीय भाषाएँ

कम्प्यूटर और हिंदी : चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ

कम्प्यूटर में हिंदी के विभिन्न प्रयोग

हिंदी के विभिन्न सॉफ्टवेयर

Unit 2

2. कम्प्यूटर और हिंदी

हिंदी फॉण्ट का अनुप्रयोग : यूनीकोड से पूर्व एवं उसके पश्चात

देवनागरी लिपि का स्वरूप एवं विकास

हिंदी कीबोर्ड का स्वरूप एवं विकास

हिंदी वेब डिजाइनिंग, हिंदी वेबसाइटस और हिंदी ई-पोर्टल

Unit 3

3. कम्प्यूटर, हिंदी लेखन एवं प्रकाशन

हिंदी ई-पत्र-पत्रिकाएँ (विषय वस्तु एवं भाषिक विश्लेषण)

हिंदी ब्लॉग लेखन

हिंदी विकीपीडिया लेखन

कम्प्यूटर और हिंदी विज्ञापन लेखन

Unit 4

4. कम्प्यूटर एवं हिंदी के अन्य आयाम

ऑन-लाइन सेवाएँ और हिंदी

ई-लर्निंग और हिंदी

ई-गवर्नेंस एवं राजभाषा हिंदी की स्थिति

कम्प्यूटरकृत हिंदी भाषा का अध्ययन

References

कम्प्यूटर : एक परिचय, सं. संतोष चौबे

इंटरनेट, शशि शुक्ला

इंटरनेट का संक्षिप्त इतिहास, (ब्रूस स्टर्लिंग) दीवान-ए-सराय 01, वाणी प्रकाशन

Additional Resources:

वाक : अंक (तीन) वाणी प्रकाशन

कम्प्यूटर के भाषिक प्रयोग, विजय कुमार मल्होत्रा

तकनीकी सुलझनें, बालेन्दु शर्मा दधीचि

Teaching Learning Process

कम्प्यूटर लेब, कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

कम्प्यूटर शब्दावली

जनमाध्यम और हिंदी (BAPPHGE04)Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिन्दी जनमाध्यमों की स्थिति, संभावनाएं और चुनौतियों का अध्ययन

Course Learning Outcomes

व्यावसायिक पत्रकारिता की जानकारी

जनमत की महत्ता, सत्ता के सरोकार की समझ विकसित होगी

Unit 1

1. हिंदी जनमाध्यम : परिचय, अवधारणा और सिद्धांत

जनमाध्यमों का स्वरूप और प्रकार

जनमाध्यमों की कार्यशैली, उद्देश्य और अपेक्षाएँ

आधुनिक परिप्रेक्ष्य में जनमाध्यम सैद्धांतिकी

प्रोपेगैण्डा, जनमाध्यम और बाजार

Unit 2

2 हिंदी जनमाध्यम : स्वरूप विस्तार

स्वतंत्रता पूर्व जनमाध्यमों का परिचय (विभिन्न समाचार पत्रों और रेडियो के संदर्भ में)

व्यावसायिक पत्रकारिता का विस्तार (हिंदी पत्र-पत्रिकाएँ तथा श्वेत-श्याम टेलीविज़न)

खबरिया चैनल और केबल नेटवर्किंग

हिंदी जनमाध्यम और स्वामित्व का प्रश्न

Unit 3

3. जनमत-निर्माण में जनमाध्यम की भूमिका

'जन' की अवधारणा

जनमत की महत्ता

जनमत और सत्ता के सरोकार

जनमत, प्रचार और प्रभाव

Unit 4

4. जनमाध्यम और हिंदी

ग्रामीण क्षेत्र और हिंदी जनमाध्यम – (रिपोर्टिंग, समाचार, फीचर, लाइव-दृश्य, साक्षात्कार)

रोजगार और कृषि संबंधी हिंदी के समाचार पत्र और चैनल

स्थानीय समस्याएँ, संसदीय प्रतिनिधित्व

सांस्कृतिक पत्रकारिता और हिंदी

References

जनमाध्यम सैद्धांतिकी, जगदीश्वर चतुर्वेदी, सुधा सिंह

मॉस कम्युनिकेशन, डेनिस मैक्वेल

Additional Resources:

जनमाध्यम, पीटर गोल्डिंग

सूचना समाज, अर्मांड मै. लार्ड

द प्रॉसेस एंड एफेक्ट्स ऑफ़ मॉस कम्युनिकेशन, विलवर

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा और जनमाध्यमों के प्लैटफ़ार्म का अवलोकन

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

जनमाध्यमों की शब्दावली

विज्ञापन, बाज़ार और हिंदी (BAPPHGE02)Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

I. विद्यार्थियों को विज्ञापन के विस्तृत क्षेत्र से परिचित कराना

II. विज्ञापन भाषा के स्वरूप और विशेषताओं का बोध कराना

III. विभिन्न माध्यमों के लिए विज्ञापन कॉपी लेखन का अभ्यास कराना

Course Learning Outcomes

I. विज्ञापन लेखन की दृष्टि से भाषा-दक्षता

II. विज्ञापन निर्माण की पूरी प्रक्रिया को समझना

III. विज्ञापन बाज़ार में विभिन्न माध्यमों की पहुँच और प्रसार क्षमता से परिचित होना

IV. कॉपी लेखन आदि कार्यों के लिए तैयार होना

Unit 1

इकाई 1 : विज्ञापन : परिचय

· विज्ञापन : अर्थ, परिभाषा और महत्त्व

· विज्ञापन के उद्देश्य: आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक

· विज्ञापन के प्रमुख प्रकार

· विज्ञापन और बाज़ार का अंत:संबंध

Unit 2

इकाई 2 : विज्ञापन: माध्यम एवं कॉपी लेखन

- विज्ञापन कॉपी के अंग: शीर्षक, उपशीर्षक, बॉडी कॉपी, चित्र, ट्रेडमार्क, लेआउट, स्लोगन
- प्रिंट माध्यम: लेआउट के विविध प्रारूप
- वर्गीकृत एवं सजावटी विज्ञापन-निर्माण
- रेडियो जिंगल लेखन
- टेलीविज़न विज्ञापन के लिए कॉपी लेखन

Unit 3

इकाई 3 : विज्ञापन लेखन एवं भाषा-शैली

· विज्ञापन की भाषा का स्वरूप एवं विशेषताएँ

· विज्ञापन की भाषा-शैली के विभिन्न पक्ष

प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और ई-विज्ञापनों की भाषा

विभिन्न माध्यमों में विज्ञापन की शैली

Unit 4

इकाई - 4 विज्ञापन संबंधी व्यवहारिक कार्य

- प्रिंट मीडिया के किसी एक विज्ञापन की भाषा का विश्लेषण
- रडियो के एक विज्ञापन की भाषा का विश्लेषण
- टेलीविज़न के एक विज्ञापन की भाषा का विश्लेषण

References

सहायक ग्रन्थ

Ø जनसंपर्क, प्रचार और विज्ञापन - विजय कुलश्रेष्ठ

Ø जनसंचार माध्यम : भाषा और साहित्य - सुधीश पचौरी

Ø डिजिटल युग में विज्ञापन - सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी

Ø ब्रेक के बाद - सुधीश पचौरी

Ø मीडिया की भाषा - वसुधा गाडगिल

Ø विज्ञापन की दुनिया - कुमुद शर्मा

Ø विज्ञापन डॉट कॉम - रेखा सेठी

Additional Resources:

Additional Resources:

Ø विज्ञापन: भाषा और संरचना - रेखा सेठी

Ø विज्ञापन और ब्रांड – संजय सिंह बघेल

Ø मीडिया और बाज़ार – वर्तिका नंदा

Ø भारतीय मीडिया व्यवसाय – वनिता कोहली-खांडेकर

Ø संचार क्रांति और बदलता सामाजिक सौंदर्य बोध - कृष्ण कुमार रत्तू

Ø Jethwaney, J. N., & Jain, S. (2012). *Advertising management.* Oxford: Oxford University Press.

Ø Chunawalla. (2000). *Advertising theory and practice*. Mumbai: Himalaya Publishing House.

Ø Martin, P., & Erickson, T. (2011). *Social media marketing*. New Delhi: Global Vision Publishing House.

वेबलिंक

· www.adbrands.net

· www.afaqs.com

· www.adgully.com

· www.cnbc.com

· www.exchange4media.com

Teaching Learning Process

1) कक्षाओं में पठन-पाठन पद्धति

2) परिचर्चाएँ

3) समूह में प्रोजेक्ट प्रस्तुति

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

ब्रांड, कॉपी, स्लोगन, डिजिटल, सोशल मीडिया

हिंदी में कार्टून, डबिंग और ग्राफिक बाल कथाएँ (BAPPHGE03)Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

छात्रों को हिंदी में कार्टून, डबिंग और ग्राफिक बाल कथाएँ, पाठ्यक्रम पढ़ाने का उद्देश्य उनकी रचनात्मकता, बौद्धिकता और सहजबोध को विकसित करना है.

हास्य, व्यंग्य और ज्ञान के विषयों को कार्टून, डबिंग और ग्राफ़िक्स के माध्यम से भली प्रकार और रुचिपूर्वक छात्रों के समक्ष रखा जा सकता है.

ऐतिहासिक, पौराणिक तथा सामाजिक सन्दर्भों को बखूबी इस पेपर में पढ़ाया जा सकता है.

Course Learning Outcomes

कार्टून डबिंग ग्राफिक की स्थिति का अध्ययन

रोजगारपरक कार्यक्रम

नई संभावनाओं और चुनौतियों को समझना

Unit 1

1. कार्टून : स्वरूप और अवधारणा

हिंदी कार्टून की विकास यात्रा : सामान्य परिचय

हिंदी के समाचार पत्रों में कार्टून का प्रयोग, स्थान आकार और कथ्य

कार्टून की अंतर्वस्तु का विश्लेषण और हिंदी के महत्वपूर्ण कार्टूनिस्ट

कार्टून के प्रकार और महत्व

Unit 2

डबिंग

हिंदी में डबिंग : आवश्यकता और स्वरूप

हिंदी सिनेमा और डबिंग

हिंदी के कार्टून चैनल और डबिंग कार्यक्रम

हिंदी में ज्ञान-विज्ञान के कार्यक्रमों में डबिंग

Unit 3

3 ग्राफिक बाल-कथाओं का स्वरूप और विकास

हिंदी की ग्राफिक बाल कथाओं का स्वरूप और विकास

ग्राफिक कथाएँ और बाल-मनोरंजन, सूचना तथा भाषा-निर्माण

हिंदी की प्रमुख ग्राफिक बाल पत्रिकाएँ

अंतर्वस्तु विश्लेषण

Unit 4

4. रचना-प्रक्रिया एवं व्यावहारिक कार्य

विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित कार्टून का विवेचन और दिए गए विषय पर कार्टून निर्माण

किसी डब कार्यक्रम की भाषा का विश्लेषण

किसी सिनेमा या धारावाहिक की डबिंग की समीक्षा

ज्ञान-विज्ञान के डव कार्यक्रमों में परिवेश, संस्कृति और भाषा की समीक्षा

References

डिस्टॉर्टेड मिरर, आर. के. लक्ष्मण

ब्रशिंग अप द इयर्स : ए कार्टूनिस्ट हिस्ट्री ऑफ़ इण्डिया, आर. के. लक्ष्मण

फोटोशॉप एलिमेंट-2 (स्पेशल इफेक्ट), अल्वार्ड

Additional Resources:

फोटोशॉप-6, स्टीव रोमानिलो

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, कार्टून डबिंग लेब

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

कार्टून डबिंग ग्राफिक शब्दावली

आधुनिक भारतीय भाषा - हिंदी : भाषा और साहित्य (हिंदी-क) (BAPPHMILA01)Ability-Enhancement Compulsory Course(Only meant for Language Department/ EVS for Department of Environmental Studies) - (AECC) Credit:4

Course Objective(2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना

राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की स्थिति का परिचय देना

विशिष्ट कविताओं के अध्ययन-विश्लेषण के माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित करना

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी

आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्कभाषा की जानकारी प्राप्त होगी

Unit 1

हिंदी भाषा

क. आधुनिक भारतीय भाषाओं का उद्भव और विकास

ख. हिंदी भाषा का परिचय एवं विकास

ग. राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क-भाषा के रूप में हिंदी

Unit 2

हिंदी साहित्य का इतिहास

क. हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल. मध्यकाल) सामान्य परिचय

ख. हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) सामान्य परिचय

Unit 3

(क) कबीर - कबीर ग्रंथावली. संपा श्यामसुंदरदास. काशी नागरी प्रचारिणी सभा. उन्नीसवां संस्करण सं 2054 वि.

पृ. 23 दोहा 27, पृ 29. दोहा 20, पृ. 30 दोहा 3 और 4, पृ 35 दोहा 8. पृ 39 दोहा 9

(ख) मीराबाई की पदावली. संपा. आचार्य परशुराम चतुर्वेदी. हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग.चौदहवां संस्करण 1892.सन् 1970 ई. पद 1. 4. 5. 6.

(ग) बिहारी बिहारी रत्नाकर - संपा . जगन्नाथ दास रत्नाकर बी.ए., प्रकाशन संस्थान. नई दिल्ली सं. 2006 दोहा 381. 435. 438. 439.491

Unit 4

आधुनिक हिंदी कविता

जयशंकर प्रसाद - हिमाद्री तुंग श्रृंग से

नागार्जुन - बादल को घिरते देखा है

दिनकर - मेरे नगपति मेरे विशाल

References

रामचंद्र शुक्ल - हिंदी साहित्य का इतिहास

हजारीप्रसाद द्विवेदी - हिंदी साहित्य की भूमिका

संपा. डॉ. नगेंद्र - हिंदी साहित्य का इतिहास

हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स - रसाल सिंह

Additional Resources:

रामस्वरूप चतुर्वेदी - हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास

हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह

Teaching Learning Process

व्याख्यान, समूहिक चर्चा, वीडियो आदि

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

राजभाषा , राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, इतिहास, काव्य, साहित्यिकता, मध्यकालीनता आधुनिकता आदि

आधुनिक भारतीय भाषा - हिंदी : भाषा और साहित्य (हिंदी-ख) (BAPPHMILB01)Ability-Enhancement Compulsory Course(Only meant for Language Department/ EVS for Department of Environmental Studies) - (AECC) Credit:4

Course Objective(2-3)

हिन्दी भाषा और साहित्य के विकास का अध्ययन

प्रमुख साहित्यकारों की रचनाओं का अध्ययन - विश्लेषण

Course Learning Outcomes

हिन्दी भाषा और साहित्य के विकास का परिचय

प्रमुख साहित्यकारों की रचनाओं का अध्ययन - विश्लेषण

Unit 1

इकाई-1 : हिंदी भाषा और साहित्य

- आधुनिक भारतीय भाषाओं का सामान्य परिचय
- हिंदी का उद्भव : सामान्य परिचय
- हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आदिकाल, मध्यकाल)
- हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आधुनिक काल)

Unit 2

इकाई- 2 : भक्तिकालीन कविता

1. कबीर : कबीर ग्रंथावली : संपा. श्यामसुंदर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ; उन्नीसवाँ संस्करण ; सं. 2054 वि.

· पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ .....

· कस्तूरी कुंडली बसै.....

· यह तन विष की बेलरी, गुरु अमृत की खान....

· सात समुद की मसि करूँ....

· साधु ऐसा चाहिए

· सतगुरु हमसूं रीझकर....

2. तुलसी : 'रामचरितमानस' से केवट प्रसंग

Unit 3

इकाई-3 : रीतिकालीन कविता

(क) बिहारी :

· बतरस लालच लाल की .....

· याँ अनुरागी चित्त की ....

· सटपटाति-सी ससिमुखी .....

(ख) भूषण :

· इंद्र जिमि जंभ पर .....

· साजि चतरंग सैन .....

Unit 4

इकाई-4 : आधुनिक कविता

· सुभद्रा कुमारी चौहान – 'बालिका का परिचय'

· निराला – वर दे वीणावादिनी .....

References

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
2. कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. तुलसी काव्य-मीमांसा – उदयभानु सिंह
4. बिहारी की वाग्विभूति – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
5. निराला साहित्य साधना – रामविलास शर्मा

Additional Resources:

हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी

हिन्दी का लोक : कुछ रस , कुछ रंग - डॉ॰ रसाल सिंह

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

साहित्य और भाषा की शब्दावली

आधुनिक भारतीय भाषा - हिंदी : भाषा और साहित्य (हिंदी-ग) (BAPPHMILC01)Ability-Enhancement Compulsory Course(Only meant for Language Department/ EVS for Department of Environmental Studies) - (AECC) Credit:4

Course Objective(2-3)

- हिन्दी भाषा और साहित्य का परिचय
- प्रमुख रचनाएँ और उनका विश्लेषण

Course Learning Outcomes

- हिन्दी भाषा और साहित्य की जानकारी प्राप्त होगी
- प्रमुख रचनाएँ और उनकी विश्लेषण क्षमता विकसित होगी

Unit 1

हिंदी भाषा और साहित्य

- हिंदी भाषा का सामान्य परिचय
- हिंदी का भौगोलिक विस्तार
- हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकालीन और मध्यकालीन प्रवृत्तियाँ
- हिंदी साहित्य का इतिहास :आधुनिककालीन प्रवृत्तियाँ

Unit 2

भक्तिकालीन कविता

गुरु गोविन्द दोऊ खड़े ....

निंदक नियरे राखिए ....

कबीर संगति साधु की ....

माला फेरत जुग भया ....

पाहन पूजै हरि मिले .....

बृच्छ कबहूँ न फल भखैं ....

सूरदास

मैया मै नहिं माखन खायौ ....

ऊधों मन न भए दस – बीस ....

Unit 3

बिहारी

मेरी भाव बाधा हरौ...

कनक कनक ते सौ गुनी ...

थोड़े ही गुन रीझते ....

कहत नटत रीझत खिझत...

घनानंद

अति सूधो सनेह को मारग ...

रावरे रूप की रीती अनूप ....

Unit 4

मैथिलीशरण गुप्त – नर हो न निराश करो ....

सुमित्रानंदन पंत –आह धरती कितना देती है .....

References

- हिंदी साहित्य का इतिहास –रामचंद्र शुक्ल
- कबीर - हजारी प्रसाद द्विवेदी
- तुलसीदास काव्य – मीमांसा –उदयभानु सिंह
- हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स - रसाल सिंह

Additional Resources:

- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह
- हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
- बिहारी की वाग्विभूति –विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- निराला साहित्य साधना – रामविलास शर्मा

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट असाइनमेंट

Keywords

साहित्यिक शब्दावली

हिंदी गद्य : उदभव और विकास (हिंदी-क) (BAPPHMILA02)Ability-Enhancement Compulsory Course(Only meant for Language Department/ EVS for Department of Environmental Studies) - (AECC) Credit:4

Course Objective(2-3)

हिन्दी गद्य साहित्य का उद्भव और विकास का परिचय

प्रमुख रचनाएँ : विश्लेषण

Course Learning Outcomes

गद्य साहित्य का परिचय प्राप्त होगा

विशिष्ट रचनाएँ और विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी

Unit 1

हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास : सामान्य परिचय

हिन्दी गद्य के विभिन्न रूपों का परिचय

Unit 2

प्रेमचंद - नमक का दारोगा

जयशंकर प्रसाद - पुरस्कार

मोहन राकेश - मलबे का मालिक

मन्नू भण्डारी - मैं हार गई

Unit 3

बालकृष्ण भट्ट - साहित्य जन समूह के हृदय का विकास है

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल - उत्साह

हजारी प्रसाद द्विवेदी - अशोक के फूल

विद्यानिवास मिश्र - रहिमन पानी राखिए

Unit 4

संस्मरण - घीसा - महादेवी वर्मा

व्यंग्य - भोलाराम का जीव - हरीशंकर परसाई

यात्रा - विद्रोह की पगडंडी : मीरां के देश मे एक नास्तिक- पंकज बिष्ट

नाटक - जिस लाहौर नइ देख्या - असगर वजाहत

References

हिन्दी का गद्य साहित्य - रामचन्द्र वर्मा

हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह

बलकृष्ण भट्ट के निबंध - सत्यप्रकाश मिश्र

महादेवी - दूधनाथ सिंह

Additional Resources:

आंखिन देखि - कमला प्रसाद

खरामा - खरामा - पंकज बिष्ट

कथेतर - माधव हाड़ा

गद्य की पहचान - अरुण प्रकाश

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

गद्य साहित्य से संबन्धित शब्दावली

हिंदी गद्य : उदभव और विकास (हिंदी-ख) (BAPPHMILB02)Ability-Enhancement Compulsory Course(Only meant for Language Department/ EVS for Department of Environmental Studies) - (AECC) Credit:4

Course Objective(2-3)

●10 वीं कक्षा तक हिंदी पढ़े विद्यार्थियों को हिंदी गद्य साहित्य के विकास की जानकारी देना

Course Learning Outcomes

● व्यक्तित्व विकास में सहायक

● अभिव्यक्ति क्षमता का विकास

Unit 1

● हिंदी गद्य का उद्भव और विकास

● हिंदी के मुख्य गद्य रूपों का सामान्य परिचय (

उपन्यास , कहानी, नाटक, निबंध, संस्मरण, आत्मकथा, रेखाचित्र)

Unit 2

● प्रेमचंद- बूढी काकी

● जयशंकर प्रसाद- गुंडा

● चन्द्रधर शर्मा गुलेरी- उसने कहा था

Unit 3

● बालमुकुंद गुप्त - मेले का ऊंट

● भारतेंदु - वैष्णवता और भारतवर्ष

● हरिशंकर परसाई - भोलाराम का जीव

Unit 4

● भारतेंदु - अंधेर नगरी

● महादेवी वर्मा - बिबिया

References

◆ हिंदी का गद्य साहित्य - रामचंद्र तिवारी

◆ हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास- बच्चन सिंह

◆ निबंधों की दुनिया- विजयदेव नारायण साही, निर्मल जैन

Additional Resources:

◆ निबंधों की दुनिया - शिवपूजन सहाय, निर्मल जैन/ अनिल राय

◆ छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

◆ हिंदी रेखाचित्र - हरवंश लाल शर्मा

www.gadykosh.com

www.hindisamay.com

http://hanshindimagazine.in

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

● लिखित परीक्षा

● आंतरिक मूल्यांकन पद्धति

Keywords

गद्य, विकास, इतिहास, उपन्यास, कहानी, निबंध, नाटक, रंगमंच, रंगकर्म,

हिंदी गद्य : उदभव और विकास (हिंदी-ग) (BAPPHMILC02)Ability-Enhancement Compulsory Course(Only meant for Language Department/ EVS for Department of Environmental Studies) - (AECC) Credit:4

Course Objective(2-3)

- हिन्दी गद्य की विभिन्न विधाओं का परिचय देना
- विभिन्न कृतियों द्वारा आधुनिक साहित्य की समझ विकसित करना

Course Learning Outcomes

- हिन्दी गद्य साहित्य के विकास का परिचय प्राप्त होगा
- कृतियों के अध्ययन-विश्लेषण से साहित्यिक समझ विकसित होगी

Unit 1

- हिंदी गद्य : उद्भव और विकास
- हिंदी गद्य – रूपों का संक्षिप्त परिचय (कहानी, निबंध, नाटक, रेखाचित्र/संस्मरण)

Unit 2

- प्रेमचंद – ईदगाह
- भीष्म साहनी - चीफ़ की दावत

Unit 3

- बालकृष्ण भट्ट – ज़बान
- शरद जोशी – होना कुछ नहीं का

- शिवपूजन सहाय -गाँव की अनिवार्य आवश्यकताएँ

Unit 4

- महादेवी वर्मा – गिल्लू
- विष्णु प्रभाकर – वापसी
- विश्वनाथ त्रिपाठी – गंगा स्नान करने चलोगे? (गाँव स्नान करने चलोगे' पुस्तक से अंश)

References

- हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास –बच्चन सिंह
- निबंधो की दुनिया : विजयदेव नारायण साही - निर्मला जैन /हरिमोहन शर्मा

Additional Resources:

- छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- हिंदी रेखाचित्र – हरवंश लाल शर्मा
- निबंधो की दुनिया – शिवपूजन सहाय ;- निर्मला /अनिल राय

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट असाइनमेंट

Keywords

हिन्दी भाषा और साहित्य की शब्दावली

हिंदी भाषा योग्यता संवर्धक पाठ्यक्रम (एम.आई.एल.) (BAPPHAECC01)Ability-Enhancement Compulsory Course(Only meant for Language Department/ EVS for Department of Environmental Studies) - (AECC) Credit:4

Course Objective(2-3)

भाषिक सम्प्रेषण के स्वरूप एवं सिद्धांतों से विद्यार्थी का परिचय

विभिन्न माध्यमों की जानकारी

प्रभावी सम्प्रेषण का महत्त्व

रोजगार सम्बन्धी क्षेत्रों के लिए तैयार करना

Course Learning Outcomes

प्रभावी सम्प्रेषण का महत्त्व समझने के साथ-साथ विद्यार्थी रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों हेतु लेखन, वाचन, पठन में भी सक्षम हो सकेंगे |

Unit 1

भाषिक सम्प्रेषण: स्वरूप और सिद्धांत

सम्प्रेषण की अवधारणा और महत्त्व

सम्प्रेषण की प्रक्रिया

सम्प्रेषण के विभिन्न मॉडल

सम्प्रेषण की चुनौतियाँ

Unit 2

सम्प्रेषण के प्रकार

मौखिक और लिखित

वैयक्तिक, सामाजिक और व्यावसायिक

भ्रामक सम्प्रेषण

सम्प्रेषण की बाधाएँ और रणनीति

प्रभावी सम्प्रेषण

Unit 3

सम्प्रेषण के माध्यम

एकालाप और संलाप

संवाद

सामूहिक चर्चा

मशीनी माध्यम: ई-मेल, सोशल मीडिया, एस.एम्.एस., इंटरनेट, फीडबैक

Unit 4

मौखिक और लिखित सम्प्रेषण

बोलना : वाद-विवाद, भाषण, समाचार, वॉयस ओवर, आशु प्रस्तुति

लिखना: पत्र लेखन, अनुच्छेद लेखन, पल्लवन, निबन्ध

पढ़ना: उच्चारण, वाक्य गठन, कविता पठन, नाट्यांश पठन

समझना: कथन, विश्लेषण, व्याख्या, अन्वय

References

हिन्दी का सामाजिक संदर्भ- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

संप्रेषण-परक व्याकरणः सिद्धांत और स्वरूप-सुरेश कुमार

प्रयोग और प्रयोग- वी.आर.जगन्नाथ

भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका-विद्यानिवास मिश्र

संप्रेषणः चिंतन और दक्षता- डॉ.मंजु मुकुल

Additional Resources:

कुछ पूर्वग्रह -अशोक वाजपेयी

भाषाई अस्मिता और हिन्दी-रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

रचना का सरोकार-विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

भाषाविज्ञान की शब्दावली, सम्प्रेषण